दिल्ली
अधिकतम तापमान 44 डिग्री
न्युनतम तापमान 32 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 43 डिग्री
न्युनतम तापमान 30 डिग्री

शनिवार 14 जून 2025
सुर्योदय प्रात: 05 :23 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 21 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 पति की जान की दुश्मन बनती नई नवेली दुल्हनें!

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 239 गाजियाबाद, शनिवार 14 जून 2025 मूल्य : ₹ 2 पेज : 06 विक्रमी संवत् 2081 युगाब्द 5126 शाक 1946

पीएम ने पटेल, केन्द्र व राज्य के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

✷ वेबवार्ता. गांधीनगर ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्र व राज्य के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ शुक्रवार को उच्च श्तरीय बैठक की।

श्री मोदी समग्र हालात का जायजा लेने के लिए शुक्रवार सुबह अहमदाबाद आ पहुँचे और उन्होंने विमान दुर्घटना स्थल की प्रत्यक्ष दौरा किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विमान के दुर्घटनाग्रश्त होने से क्षतिग्रश्त मेडिकल हॉस्टल एवं मेस बिल्डिंग का निरीक्षण किया। इस मुलाकात में प्रधानमंत्री के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू, केन्द्रीय जल-शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, गुजरात के नागरिक उड्डयन मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, मुख्य सचिव पंकज जोशी, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार दास, राज्य पुलिस महानिदेशक विकास सहाय सहित प्रशासन के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

दुर्घटना स्थल का जायजा लेकर प्रधानमंत्री अहमदाबाद सिविल अस्पताल पहुँचे और वहाँ उपचाराधीन घायलों से मिले। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने घायलों के स्वास्थ्य का हाल पूछकर परिजनों को इस विकट स्थिति का सामना करने की हिंमत बंधाई।

प्रधानमंत्री इस दुर्घटना में घायल हुए डॉक्टरों और स्वास्थ्य वर्कर्स से भी मिले। प्रधानमंत्री ने घायलों का उपचार कर रहे चिकित्सकों से घायलों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने इन स्थलों का जायजा लेने के बाद अहमदाबाद में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा राज्य सरकार के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ उच्च श्तरीय बैठक की।

एएक्स -4 मिशन को संबोधित करने के लिए इसरो नासा, एक्सिओम, स्पेसएक्स कर रहे है एक साथ काम

✷ वेबवार्ता. चेन्नई ✷

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि वह तकनीकी गड़बड़ी -एलओएक्स ईंधन

के रिसाव - को संबोधित करने के लिए एक्सिओम स्पेस, नासा और स्पेसएक्स के साथ काम कर रहा है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक्सिओम-4 मिशन को स्थगित कर दिया गया था।

इस मिशन को सम्मानित भारतीय अंतरिक्ष यात्री सुभांशु शुक्ला द्वारा संचालित किया गया था, जिसने अरबों लोगों की उम्मीदों और सपनों को पूरा किया और सात प्रमुख माइक्रोग्रैविटी प्रयोग किए। इसरो ने कहा कि सुरक्षा और मिशन की अखंडता इसकी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा "इसरो एक्सिओम स्पेस, नासा, स्पेसएक्स के साथ मिलकर काम कर रहा है क्योंकि वे जिम्मेदारी से आईएसएस ज़्वेज़्दा मॉड्यूल अवलोकन को संबोधित करते हैं जो एक्स-4 में देरी का कारण बनता है। सुरक्षा और मिशन की अखंडता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।"

विमान हादसे में मरने वालों की संख्या हुई 297

✷ वेबवार्ता. अहमदाबाद ✷

बीते रोज अहमदाबाद में हुए विमान हादसे ने पूरी दुनिया श्तब्ध कर दिया है। हादसे में मरने वालों की संख्या अब 297 हो गई है। प्रशासन ने विमान हादसे में मारे गये 265 लोगों के शव अब तक बरामद करने की पुष्टि की हैं जबकि 47 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एक वरिष्ठ पुसिस अधिकारी ने 'एक समाचार एजेंसी' को बताया कि दुर्घटना स्थल से अब तक 265 शव बरामद होने की पुष्टि की है, जबकि रायटर ने करीब 294 लोगों की मौत का समचार जारी किया है। सभी मृतकों की पहचान का काम जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक मृतकों 219 रिश्तेदार डीएनए जांच और रक्त के नमूने देने के लिए आ चुके हैं और उनके नमूने लिए जा चुके हैं।

बाकी के परिवारों से इस संबंध में संपर्क किया जा चुका है। नमूने लेने के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की 10 टीमों के 36 विशेषज्ञ चौबीस घंटे ड्यूटी पर हैं।

दुर्घटना में घायल 47 लोगों को सिविल अस्पताल लाया गया था। इनमें से 16 का उपचार बाह्य रोगी के रूप में और 31 का उपचार अस्पताल में रख कर किया जा रहा है।

इस त्रासदी में गुरुवार को अपराह्न अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद एयर इंडिया का ड्रीमलाइनर विमान एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर गिरकर दुर्घटनाग्रश्त हो गया था।

विमान में चालक दल के 12 सदस्यों सहित 242 लोग थे। उनमें से केवल एक यात्री जीवित बचा है। एयर इंडिया ने विमान में सवार 241 व्यक्तियों के दुर्घटना में मारे जाने की पुष्टि की है।

दुर्घटना में उस समय हॉस्टल में मौजूद और आस- पास के कई लोग भी हताहत हुए थे।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना समूह के इतिहास का सबसे काला दिन : टाटा

✷ वेबवार्ता. नयी दिल्ली/मुंबई ✷। टाटा समूह के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने वाले विमान के तत्काल दुर्घटनाग्रश्त होने को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए शुक्रवार को कहा है कि यह कंपनी के इतिहास का सबसे काला दिन है और भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं हों इसके लिए सुरक्षा पर ही सबसे ज्यादा फोकस करने की जरूरत है। श्री चंद्रशेखरन ने अपने सहकर्मियों को लिखे पत्र में कहा " कल जो हुआ, वह समझ से परे है और समझ नहीं आ रहा है कि आखरि यह सब कैसे हो गया। इससे पूरा समूह सदमे और शोक में हैं। हम जानते हैं कि एक व्यक्ति को खो देना भी एक बड़ी त्रासदी है लेकिन यहां तो एक साथ इतने लोगों की जान चली गयी है। कल का दिन टाटा समूह के इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक है। जिन लोगों ने इस दुर्घटना में अपने परिजनों को खोया है उन्हें इस हालात में शब्दों से सांत्वना नहीं मिल सकती लेकिन हमारी संवेदनाएँ दुर्घटना में मारे गए और घायल हुए लोगों के परिवारों और उनके प्रियजनों के साथ है।"

अनुच्छेद 370 को हटाना सामाजिक-आर्थिक सुधार भी था : जितेंद्र सिंह

✷ वेबवार्ता. जम्मू ✷। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए को हटाना एक सामाजिक सुधार था। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोगों के इस देश में एक जगह ऐसी भी थी, जहां बेटियों को राज्य से बाहर शादी करने पर अपने माता-पिता की संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं था। उन्होंने कहा कि संपत्ति के अधिकार के लिए महिलाओं को राज्य के भीतर ही शादी करनी पड़ती थी। इसे खत्म करना एक सामाजिक-आर्थिक सुधार था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल ने निर्णायक, विकास-संचालित शासन के एक दशक का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने कहा कि मुझे शासन के इस मॉडल को बहुत करीब से देखने का सौभाग्य मिला है। आप पिछले 11 वर्षों में सभी क्षेत्रों में देश के तेजी से विकास की एक तथ्यात्मक और प्रभावशाली झलक देख सकते हैं।

पाक के लिए जासूसी करने के दो आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजे गए

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। पटियाला हाउस कोर्ट ने पाकिश्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार कासिम और हसीन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस रिमांड की अवधि समाप्त होने के बाद दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान पुलिस ने अदालत को बताया कि दोनों जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीया अग्रवाल की अदालत ने पांच जून को दोनों की हिरासत अवधि समाप्त होने पर उनकी पुलिस हिरासत 12 जून तक के लिए बढ़ा दी थी।

एनआईए ने एक और आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्यों द्वारा केरल में आरएसएस नेता श्रीनिवासन की हत्या से संबंधित मामले में एक और आरोपी के खिलाफ गुरुवार को आरोपपत्र दाखिल किया। अधिकारियों ने बताया कि केरल के एर्णाकुलम स्थित विशेष एनआईए अदालत के समक्ष दायर पूरक आरोपपत्र में रफीक एम एस पर विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले में 64वें आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया।

नृत्यांगना सोनल मानसिंह को संकरदेव पुरस्कार

✷ वेबवार्ता. गुवाहटी ✷। सुप्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्यांगना सोनल मानसिंह को श्रीमंत संकरदेव पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार की शुरुआत असम सरकार ने 1986 में की थी।

भाग्य पर व्याख्यान देने के बजाय जवाबदेही तय करें गृहमंत्री : कांग्रेस

पार्टी इस सामूहिक दुख और पीड़ा के समय में राष्ट्र के साथ खड़ी है

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना में हुई मौतों पर शुक्रवार को दुख जताया और गृहमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि घटनास्थल का दौरा करने के बाद गृह मंत्री अमित शाह भाग्य पर व्याख्यान देने के बजाय जवाबदेही तय करने का वादा कर सकते थे।

बता दें शाह विमान हादसे के कुछ घंटे बाद अहमदाबाद पहुंचे थे और कहा था कि दुर्घटनाग्रश्त हुए एअर इंडिया के विमान का तापमान ईंधन जलने के कारण इतना ज्यादा था कि किसी को बचा पाने की गुंजाइश ही नहीं थी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया जिसमें कांग्रेस एआई-171 विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी यात्रियों, चालक दल के सदस्यों और उन निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है जो दुर्घटनास्थल के आसपास मौजूद थे और हादसे का शिकार हुए।

हम इस त्रासदी से प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद भीषण और हृदय विदारक दुर्घटना है, जिसने पूरे देश को सदमे में डाल दिया है। कांग्रेस पार्टी इस सामूहिक दुख और पीड़ा के समय में राष्ट्र के साथ खड़ी है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेत पवन खेड़ा ने अमित शाह के बयान का संक्षिप्त वीडियो साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया- जब एक विमान दुर्घटनाग्रश्त हो गया और लोगों की मौत हो गई, तो गृह मंत्री कम से कम जवाबदेही का वादा कर सकते हैं, न कि भाग्य पर व्याख्यान दें।

खेड़ा के मुताबिक गृह मंत्री ने कहा था कि दुर्घटनाओं को कोई नहीं रोक सकता। खेड़ा ने सवाल किया कि यदि कुछ भी रोका नहीं जा सकता, तो हमारे पास मंत्रालय हैं ही क्यों? उन्होंने कहा कि विमानन दुर्घटनाएं दैवीय कृत्य नहीं हैं उन्हें रोका जा सकता है।

इसीलिए हमारे पास विमानन नियामक, सुरक्षा प्रोटोकॉल और संकट के समय प्रतिक्रिया की प्रणालिया हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह के तर्क के मुताबिक क्या हमें सुरक्षा बुनियादी ढांचे, विनियमन, या संकट की तैयारी में निवेश करना पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए? उन्होंने सवाल किया कि क्या इसे भाग्य पर छोड़ देना चाहिए?

PM ने विमान हादसे में घायल हुए लोगों से मुलाकात की, छह शव परिजनों को सौंपे गए

✷ वेबवार्ता. अहमदाबाद ✷

प्रधानमंत्री शुक्रवार को अहमदाबाद में उस जगह पहुंचे जहां बृहस्पतिवार को एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रश्त हुआ था। इस दुर्घटना में विमान में सवार 241 लोगों समेत 265 की मौत हो गई। प्रधानमंत्री ने विमान हादसे में घायल हुए लोगों से भी मुलाकात की।

विमान हादसे में मारे गए लोगों में से छह की शिनाख्त करने के बाद शुक्रवार को उनके शव उनके परिजनों को सौंप दिये गये। बृहस्पतिवार को हुए हादसे के बाद 265 शवों को पोस्टमार्टम के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल भेजा गया था।

एक अधिकारी ने बताया कि इनमें से केवल छह की शिनाख्त हो पाई क्योंकि उनके चेहरे पहचाने जा सकने की हालत में थे। उन्होंने बताया कि अन्य शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान कर पाना मुश्किल है इसलिए उनकी शिनाख्त के लिए डीएनए जांच की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री सुबह यहां सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डे पर पहुंचे और वहां से सीधे मेघाणी नगर इलाके में दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने करीब 20 मिनट दुर्घटना स्थल का मुआयना करते हुए बिताए।

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू और गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने प्रधानमंत्री को विमान के मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रश्त होने के बारे में जानकारी दी। उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी थे। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (एआई171) विमान बृहस्पतिवार दोपहर सरदार वल्लभभाई पटेल अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद मेघाणी नगर क्षेत्र में एक मेडिकल कॉलेज परिसर में

पुलिस ने कहा-राज ही है राजा रघुवंशी की हत्या का मास्टरमाइंड

✷ वेबवार्ता. शिलांग ✷

राजा रघुवंशी की हत्या मामले में एक अहम खुलासा हुआ है। मेघालय पुलिस ने गुरुवार को बताया कि हत्याकांड का मास्टरमाइंड राज कुशवाह ही है। इसने शातिराना तरीके से साजिश रची थी।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजा रघुवंशी के हत्यारों की योजना किसी भी महिला की हत्या कर उसके शव को जलाने की थी, ताकि सच्चाई सामने आने तक वह कुछ और दिन छिप सकें। पुलिस की पूछताछ में राज और तीन अन्य आरोपियों ने खुलासा किया कि सोनम बुर्का पहनकर मेघालय से भागी थी और टैक्सी, बस और ट्रेन से इंदौर पहुंची थी। शादी से पहले हत्या की साजिश रची पूर्वी खासी हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक विवेक सिम ने बताया कि राजा की हत्या की साजिश इंदौर में 11 मई को सोनम के साथ उसकी शादी से कुछ समय पहले रची गई थी और इसका मास्टरमाइंड राजा है। सोनम ने साजिश के लिए सहमति जताई थी। सोनम को बचाने की पूरी थी तैयारी राजा की हत्या के बाद सोनम को गायब करने के तरीके आरोपियों ने सोचे थे। एक योजना लोगों को यह विश्वास दिलाने की थी कि वह नदी में बह जाएगी।

दूसरी योजना, किसी अनजान महिला की हत्या कर शव को जलाने की थी, जिससे कि यह दावा किया जा सके की सोनम की भी हत्या हो गई।

गुवाहाटी में हत्या करने की थी योजना पुलिस अधिकारी ने कहा कि हत्यारे 19 मई को नवविवाहित जोड़े के असम पहुंचने से कुछ दिन पहले आया था और उन्होंने शुरू में राजा को गुवाहाटी में कहीं खत्म करने की योजना बनाई थी।

योगेश गौड़ा हत्याकांड : कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को झटका, SC का इनकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को सरेंडर के लिए मोहलत देने से इनकार कर दिया है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए विनय कुलकर्णी की मांग को खारिज कर दिया।

इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने 6 जून को कुलकर्णी की जमानत रद्द करते हुए एक हफ्ते के भीतर आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया था।

बीजेपी नेता योगेश गौड़ा हत्याकांड में आरोपी कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी जमानत पर बाहर हैं। हालांकि उनकी जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

कर्नाटक सरकार ने याचिका में आरोप लगाए कि विनय कुलकर्णी ने गवाहों को प्रभावित करके जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए सुनवाई शुरू की। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी की 6 जून को जमानत रद्द कर दी और सरेंडर करने को कहा था। इसको लेकर विनय कुलकर्णी ने सुप्रीम कोर्ट से एक हफ्ते का समय मांगा था।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने मोहलत देने से इनकार कर दिया। बीजेपी नेता योगेश गौड़ा की 5 जून 2016 में धारवाड़ में हत्या कर दी गई थी।

तीन घंटे हवा में रहने के बाद मुंबई वापस लौटा एअर इंडिया का विमान

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

लंदन जा रहा एअर इंडिया के एक विमान को तीन घंटे तक हवा में रहने के बाद वापस मुंबई में लैंड कराया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई मे फ्लाइटरडार24 के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि यह फ्लाइट मुंबई से लंदन जा रही थी, जिसने सुबह 5.39 बजे उड़ान भरी थी।

एअर इंडिया ने बयान में कहा कि ईरान में स्थिति और उसके एअरस्पेस बंद होने के कारण कई विमानों का मार्ग या तो परिवर्तित किया जा रहा है या फिर विमानों को वापस मूल स्थान पर लैंड कराया जा रहा है। एअर इंडिया ने बयान जारी कर कहा, 'हमें इस अप्रत्याशित व्यवधान के कारण हमारे यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद है और हम इसे कम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं, जिसमें यात्रियों के लिए आवास उपलब्ध कराना भी शामिल है। यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।'

संक्षिप्त समाचार

स्वामी नारायण भगवान ने बचा लिया.. अहमदाबाद में क्रैश होने वाले प्लेन को छोड़ने वाले यात्री

अहमदाबाद , एजेंसी। अहमदाबाद में क्रैश हुए विमान में करीब 200 से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई लोगों का इलाज स्थानीय सिविल अस्पताल में जारी है। अब इस घटना से जुड़ी की जानकारियां और लोगों की कहानियां सामने आ रही हैं। कई लोग ट्रैफिक में फंसने की वजह से अपनी फ्लाइट नहीं पकड़ पाए, तो कई लोग किसी और वजह से इस यात्रा पर नहीं गए.. एक समय पर तो उन्हें इसका दुख था कि यह अपनी फ्लाइट को समय रहते पकड़ नहीं पाए, लेकिन बाद में जब फ्लाइट के क्रैश होने की खबर सुनी तो मन ही मन भगवान को शुक्रिया भी कहा कि उनकी जान बचा ली।

ऐसी ही एक कहानी गुजरात के ही सावजी भाई टिंबाडिया की है, जो इस फ्लाइट से लंदन जाने वाले थे। एबीपी न्यूज से बात करते हुए सावजी ने बताया कि मैं अकेला ही इस फ्लाइट में यात्रा करने वाला था, टिकट भी बुक हो चुका था मेरे टिकट का नंबर ए1 था। तभी मेरे अंदर से आवाज आई कि मुझे आज नहीं जाना चाहिए। मुझे लगा कि आज का दिन ठीक नहीं है। इसके बाद मैंने अपनी टिकट को कैंसिल करा दिया और सोमवार को अपना नया टिकट बुक करा लिया।

सावजी से जब प्लेन की हालात के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस वक्त मुझे पता नहीं है कि वहां पर क्या हुआ लेकिन मैंने इतना सुना है कि प्लेन क्रैश हो गया है। सावजी से जब पूछा गया कि आप बहुत भाग्यशाली रहे कि आप उस विमान में नहीं गए.. इसका जवाब देते हुए सावजी ने कहा कि मैं स्वामी नारायण भगवान का भक्त हूं.. मैं रोज ही उनकी पूजा करता हूं.. और उनके मंदिर जा रहा था । उन्होंने ही मुझे बचाया है।

इससे पहले अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में अभी तक 200 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई दर्जन गंभीर रूप से घायल लोगों का इलाज स्थानीय अस्पतालों में चल रहा है। गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। इसके अलावा कई और नेता भी वहां पहुंचे हैं। इस हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की भी मृत्यु हो गई है। वह अपनी बेटी से मिलने के लिए लंदन जा रहे थे।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना - मेडिकल छात्र जीत सतानी की बची जान, मां बोली - मिला दूसरा जन्म

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एक भयावह विमान दुर्घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। लंदन के लिए उड़ान भरने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद मेघानीनगर क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

विमान का एक हिस्सा बीजे मेडिकल कॉलेज की इमारत से टकराया, जिसमें कई छात्रों के हताहत होने की खबर है। हालांकि, कॉलेज की इमारत में भोजन कर रहा एमबीबीएस छात्र जीत सतानी सुरक्षित बच गया। उसके परिवार के लोग ईश्वर को धन्यवाद दे रहे हैं। नाना लिलिया प्राथमिक विद्यालय की प्रिंसिपल कैलाशबेन सतानी का बेटा जीत सतानी बीजे मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष का छात्र है। कैलाशबेन ने बताया, जब विमान दुर्घटना हुई, तब जीत खाना खा रहा था। अचानक एक जोरदार धमाका हुआ और चारों ओर धुआं फैल गया। सभी बच्चे घबरा गए, लेकिन मेरे बेटे ने हिम्मत दिखाई और सुरक्षित बाहर निकल आया। मेरा बेटा पढ़ाई में मेहनती है और डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना चाहता है। इस हादसे ने हमें जीवन की नाजुकता का अहसास कराया।

उन्होंने भावुक होकर कहा, मैं भगवान की आभारी हूं कि मेरे बेटे को कुछ नहीं हुआ। यह उसके लिए दूसरा जन्म है। हमें जैसे ही खबर मिली कि जीत सुरक्षित है, हमारी जान में जान आई। हम उन सभी आत्माओं के लिए प्रार्थना करते हैं जो इस हादसे में चल बसे। जीत के सुरक्षित बचने की खबर सुनकर उनके परिवार और नाना लिलिया गांव के लोगों ने राहत की सांस ली।

जिंदा हैं पर खुश नहीं; प्लेन क्रैश में अकेले बच गए विश्वास रमेश क्यों गमगीन

अहमदाबाद विमान हादसे में कैसे बचाई अपनी जान? रमेश ने बताया- आग लगने से पहले ही लगा दी छलांग

अहमदाबाद, एजेंसी। विश्वास कुमार रमेश अहमदाबाद प्लेन क्रैश में अकेले जिंदा बचे शख्स। 242 लोगों की लाश के ढेर से जिंदा निकलकर भागे विश्वास रमेश की किस्मत और हिम्मत की बात हो रही है। लेकिन विश्वास बेहद गमगीन हैं। क्योंकि वह खुद बच गए लेकिन उनके सगे भाई इस हादसे का शिकार हो गए। एयर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान गुरुवार दोपहर अहमदाबाद से उड़ान भरते ही क्रैश हो गया। हादसे में विश्वास को छोड़कर सभी यात्रियों, क्रू मेंबर्स और हादसे वाली जगह पर मौजूद लोगों समेत 265 की मौत हो गई।

40 साल के विश्वास कुमार रमेश भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक हैं। वह भारत में अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए आए थे। इस यात्रा में विश्वास के बड़े भाई अजय कुमार भी साथ थे। दोनों एक साथ ही इस विमान में सवार हुए थे। विश्वास की सीट 11ए थी लेकिन उनके भाई को अन्य कतार में सीट दी गई थी। हादसे के बाद विश्वास किसी तरह बचकर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन उनके भाई की जान नहीं बच पाई। हादसे के तुरंत बाद विश्वास ने अपने पिता को वीडियो कॉल करके बताया कि प्लेन क्रैश हो

गया है, वह बच गए हैं, लेकिन भाई कहीं नहीं दिखे। बाद में गुजरात पुलिस की ओर से जानकारी दी गई कि एक व्यक्ति को छोड़कर सभी यात्रियों की मौत हो गई है।

विश्वास कुमार ने कहा, टेक ऑफ के 30 सेकेंड बाद ही बहुत तेज आवाज हुआ और प्लेन क्रैश हो गया। सबकुछ बहुत जल्दी हुआ। मुझे खुद विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं कैसे बचा। कुछ समय के लिए लगा मैं भी मर गया। लेकिन आंख खुली तो देखा कि मैं जिंदा हूं। वहां थोड़ी सी जगह मिली और मैं बाहर निकल गया। मेरे सामने ही सब मरे हुए थे। अपने पास अब भी बोर्डिंग पास रखे विश्वास ने एचटी से बातचीत में कहा, जब मैं खड़ा हुआ हर तरफ लाशें थीं। मैं डरा हुआ था। मैं खड़ा हुआ और भागा। चारों तरफ प्लेन के टुकड़े बिखरे हुए थे। किसी ने मुझे पकड़ा और एंबुलेंस में बिठाया जिससे मुझे अस्पताल लाया गया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने भी विश्वास से मुलाकात की और उनसे जानकारी ली। अपने भाई को खोने की वजह से गमगीन विश्वास ने कहा, वह मेरे साथ यात्रा कर रहे थे, लेकिन अब वह मुझे नहीं मिल रहे।विश्वास 20 साल से अपने परिवार के साथ लंदन में रह रहे हैं। उनकी पत्नी और बच्चे भी वहीं हैं। क्रैश के बाद कुछ वीडियो में विश्वास घायल अवस्था में चलते हुए दिखाई दिए थे। विश्वास की छाती, आंख और पैर पर चोट के निशान हैं। अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने उन्हें खतरे से बाहर बताया है। वह अब सामान्य बातचीत कर रहे हैं और मीडियाकर्मियों को हादसे की पूरी कहानी बयां कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, रमेश विमान के इमरजेंसी एक्जिट के पास सीट 11 पर बैठे थे। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उसमें आग लगने से पहले उन्होंने छलांग लगाकर अपनी जान बचा ली। पुलिस अधिकारी विधि चौधरी ने बताया कि आपातकालीन दरवाजे के पास बैठने के कारण रमेश को बाहर निकलने का मौका मिला, जो उनकी जान बचाने में निर्णायक साबित हुआ।

चारों ओर लाशें थीं, मैं डर गया

अस्पताल के बिस्तर से मीडिया से बात करते हुए रमेश विश्वेशकुमार ने कहा, जब मैं उठा तो मेरे चारों ओर लाशें थीं। मैं डर गया था। मैं खड़ा हुआ और भागा। विमान के टुकड़े हर तरफ बिखरे थे। किसी ने मेरी मदद की और मुझे एंबुलेंस में ले गया। हादसे के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में रमेश खून से सने सफेद टी-शर्ट में, लंगड़ाते हुए, सड़क पर चलते दिखे। उनके चेहरे पर चोटें थीं और चिकित्सा कर्मचारी उनकी मदद कर रहे थे।

परिवार में मातम, भाई का अभी तक कोई पता नहीं

रमेश अपने भाई अजय के साथ अपने परिवार से मिलने भारत आए थे। दोनों भाई लंदन लौट रहे थे जब यह हादसा हुआ। रमेश के चचेरे भाई अजय वालगी ब्रिटेन के लीसेस्टर में रहते हैं। उन्होंने बीबीसी से कहा, रमेश ने सिर्फ इतना कहा कि वह ठीक हैं और कुछ नहीं बताया। हमें उनके भाई के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। पूरा परिवार सदमे में है। रमेश विवाहित हैं और उनका एक बेटा भी है।

सोनम के परिवार ने माना उसे गुनहगार, भाई गोविंद ने खोला बहन के खिलाफ मोर्चा

इंदौर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के इंदौर के रहने वाले राजा रघुवंशी की हत्या में अब नया मोड़ आ गया है। राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी को उनका परिवार भी इस हत्याकांड का आरोपी मानने लगा है। फिलहाल, इस मामले की जांच जारी है और पुलिस पांचों आरोपियों को मेघालय के शिलॉन्ग ले गई है। आरोप हैं कि सोनम ने अपने कथित आशिक राज कुशवाह और उसके साथियों के साथ मिलकर राज को हनीमून ट्रिप के दौरान मौत के घाट उतार दिया था। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में सोनम के भाई गोविंद ने कहा, सोनम की इसमें भूमिका होगी। राज कुशवाह, विशाल और अन्य लोगों का चैनल सोनम के जरिए ही बना है और यह इस कांड में उसके शामिल होने की पुष्टि करता है। इसलिए मेरा मानना है कि उसकी भूमिका है। उन्होंने कहा कि वह सच नहीं जानते थे, नहीं तो इस शादी को नहीं होने देते। गोविंद का कहना है कि उन्होंने अपनी बहन के खिलाफ लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, राज

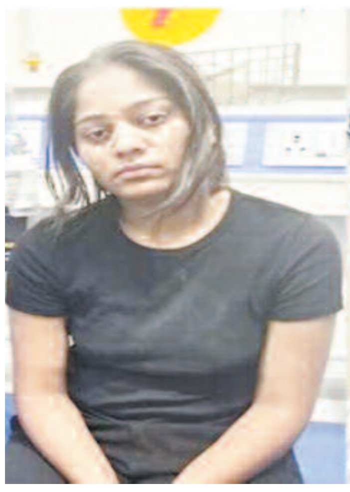

कुशवाह मेरी कंपनी में कर्मचारी था। वह गोदाम का प्रबंधन देखता था और माल डिलीवरी के लिए निकलवाता था। जितेंद्र रघुवंशी मेरा रिश्तेदार है और उसकी राजा की हत्या में कोई भूमिका नहीं है...। दोनों ही परिवार शादी के लिए तैयार थे और दोनों (पति और पत्नी) ने साथ मिलकर शादी के लिए शॉपिंग की थी। उन्होंने कहा, ...ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि मुझे सच्चाई नहीं पता थी। नहीं तो मैं यह शादी नहीं होने देता...। मैंने सोनम के खिलाफ लड़ने का फैसला किया है...। मुझे राजा पसंद था, क्योंकि मैंने उसमें बहुत अच्छी चीजें देखी थीं।

पुलिस ने क्या कहा

इससे पहले मेघालय में ईस्ट खासी हिल्स पुलिस ने भी घटना से जुड़े अहम खुलासे किए थे। एसपी विवेक सैयम ने कहा था कि इस हत्या को राज कुशवाह ने अंजाम दिया था, जिसकी पहचान इस हत्या के मास्टरमाइंड के तौर पर हुई है। उन्होंने कहा कि सोनम उसके साथ शामिल थी। उन्होंने कहा था, तीन और लोग जो शामिल थे, वो दोस्त थे। उनमें से एक राज का कजिन था। यह कॉन्ट्रैक्ट किलिंग नहीं है। उन लोगों ने दोस्ती में ऐसा किया था।

संबंध भी तोड़े

गोविंद रघुवंशी ने बुधवार को कहा कि वह मृतक के परिवार के साथ हैं और अगर उनकी बहन इस मामले में दोषी पाई जाती है, तो उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने यह घोषणा भी की कि उनके परिवार ने सोनम से सारे संबंध तोड़ लिए हैं और उसे सजा दिलाने के लिए राजा रघुवंशी के परिवार की ओर से वह खुद कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।

चंद्रबाबू नायडू ने विमान हादसे पर दुख जताया, रूपाणी को मृदुभाषी नेता के रूप में याद किया

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि अहमदाबाद में विमान दुर्घटना से वह बहुत दुखी हैं जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की मौत हो गई। एअर इंडिया ने पुष्टि की है कि बृहस्पतिवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से लंदन जाने वाले उसके विमान में सवार 241 लोग मारे गए। नायडू ने बृहस्पतिवार देर रात 'एक्स' पर लिखा, ''अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में लोगों की मौत ने हमें गहरा दुख पहुंचाया है। अपने प्रियजनों को इस हादसे में खोने वालों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि उन्हें इस दुख की घड़ी को सहने की शक्ति मिले।'' उन्होंने रूपाणी को एक मृदुभाषी और जनता के प्रति समर्पित विनम्र नेता के रूप में याद किया। बोइंग 787-8 विमान में 230 यात्री और चालक दल के 12 सदस्य सवार थे। अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान की दुर्घटना में मारे गए 68 वर्षीय रूपाणी अपने शांत स्वभाव और दृढ़ प्रशासनिक शैली के लिए जाने जाते थे।

वन संरक्षण के साथ ही वन संपदाओं को आजीविका से जोड़ने का प्रयास करें अधिकारी: धामी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को अधिकारियों को वनों के संरक्षण के साथ ही वन संपदाओं को लोगों की आजीविका से जोड़ने की दिशा में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। यहां वन्यजीव बोर्ड की 21वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड वनों की बहुलता वाला प्रदेश है इसलिए वन संपदाओं को आर्थिकी से जोड़ने के प्रयास किये जाने चाहिए। उन्होंने इसके लिए वन विभाग और वित्त विभाग को बैठक करने के निर्देश दिए। धामी ने अधिकारियों को इकोलॉजी और इकोनॉमी में संतुलन बनाते हुए आगामी 10 वर्षों के लिए विस्तृत योजना बनाते हुए वन क्षेत्रों के आस-पास ईको-टूरिज्म की गतिविधियों को बढ़ावा देने को भी कहा। उन्होंने मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम करने के साथ ही ऐसी घटनाओं में त्वरित मुआवजा वितरण के लिए डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली लागू करने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्द्वानी में चिड़ियाघर और सफारी के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि वन विश्राम भवनों का रख-रखाव भी पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किया जाए तथा राजस्व बढ़ाने के प्रयास किये जाएं।

विमान हादसों में माधव राव सिंधिया से लेकर वाईएसआर तक कई हस्तियों ने गंवाई जान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी उन यात्रियों में शामिल थे जो बृहस्पतिवार को अहमदाबाद से लंदन जा रहे एअर इंडिया के दुर्घटनाग्रश्त विमान में सवार थे।

रूपाणी पहली हस्ती नहीं हैं जिन्होंने हवाई दुर्घटना में अपनी जान गंवाई है।

अहमदबाद के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन के गैटविक के लिए उड़ाने भरने के महज कुछ मिनट बाद एअर इंडिया का ड्रीमलाइनर बोइंग-787 विमान दुर्घटना हो गया था जिसमें सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई।

हवाई दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाने वाले कुछ शीर्ष नेता और प्रमुख हश्तियां हैं:

होमी जहांगीर भाभा (1966)

भारत के अग्रणी परमाणु भौतिक विज्ञानी होमी जहांगीर भाभा की 24 जनवरी, 1966 को एअर इंडिया की उड़ान 101 के दुर्घटनाग्रश्त होने से मृत्यु हो गई। जिनेवा हवाई यातायात नियंत्रण के साथ गलत संचार के कारण विमान स्विस आल्प्स पर्वत में दुर्घटनाग्रश्त हो गया।

संजय गांधी (1980)

कांग्रेस नेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी की 23 जून 1980 को एक हवाई दुर्घटना में मृत्यु हो गई। संजय सफदरजंग हवाई अड्डे के पास दिल्ली फ्लाइंग क्लब के एक विमान को उड़ा रहे थे और हवाई कलाबाजी करने का प्रयास करते समय उन्होंने विमान पर से नियंत्रण खो दिया। विमान के

दुर्घटनाग्रश्त होने की वजह से उनकी जान चली गई।

माधव राव सिंधिया (2001)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता माधवराव सिंधिया की मृत्यु 30 सितंबर, 2001 को एक विमान दुर्घटना में हुई थी। वह कानपुर जाने के लिए दस सीट वाले एक निजी विमान में सवार थे जो उत्तर प्रदेश में मैनपुरी के पास खराब मौसम के कारण दुर्घटनाग्रश्त हो गया था। सिंधिया स्वयं पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री थे।

जीएमसी बालयोगी (2002)

लोकसभा अध्यक्ष और तेलुगु देशम पार्टी के नेता जी एम सी बालयोगी की तीन मार्च 2002 को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई। हादसे के समय वह आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले के भीमावरम से आ रहे थे तभी उनका हेलीकॉप्टर कृष्णा जिले के कैकालूर के निकट दुर्घटनाग्रश्त होकर एक तालाब में गिर गया।

साइप्रियन संगमा (2004)

मेघालय के ग्रामीण विकास मंत्री साइप्रियन संगमा और नौ अन्य लोग पवन हंस हेलीकॉप्टर से 22 सितंबर 2004 को गुवाहाटी से शिलांग जा रहे थे, तभी उनका हेलीकॉप्टर राज्य की राजधानी से मात्र 20 किलोमीटर दूर बारापानी झील के पास दुर्घटनाग्रश्त हो गया था, जिससे उनकी मृत्यु हो गई थी।

के एस सौम्या (2004)

सौंदर्या के नाम से मशहूर दक्षिण भारतीय अभिनेत्री के एस सौम्या की 17 अप्रैल 2004 को एक हवाई दुर्घटना में मौत हो गई थी। दुर्घटना के समय 'सूर्यवंशम' फिल्म की अभिनेत्री अपने भाई के साथ बेंगलुरु से करीमनगर जा रही थीं।

ओपी जिंदल और सुरेंद्र सिंह (2005)

उद्योगपति और हरियाणा के मंत्री ओम प्रकाश जिंदल और कृषि मंत्री सुरेन्द्र सिंह की 2005 में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उनका हेलीकॉप्टर दिल्ली से चंडीगढ़ जा रहा था, तभी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में दुर्घटनाग्रश्त हो गया।

वाई एस रेड्डी (2009)

आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी (2009), जिन्हें वाईएसआर के नाम से जाना जाता था, की मृत्यु 2 सितंबर 2009 को एक हेलीकॉप्टर हादसे में हुई। यह हादसा तब हुआ जब उनका बेल 430 हेलीकॉप्टर खराब मौसम के कारण घने नल्लामाला जंगल में दुर्घटनाग्रश्त हो गया।

दोरजी खांडू (2011)

अरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री दोरजी खांडू और चार अन्य की 30 अप्रैल 2011 को उस समय मृत्यु हो गई थी, जब उन्हें तवांग से ईटानगर ले जा रहा हेलीकॉप्टर राज्य के पश्चिमी कामेंग जिले में दुर्घटनाग्रश्त हो गया था।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत (2021)

भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की आठ दिसंबर, 2021 को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह घटना तमिलनाडु के कुन्नूर के पास हुई, जब वह अपनी पत्नी और 11 अन्य लोगों के साथ सुलूर से वेलिंगटन जा रहे थे।

देशहित में नहीं हैं मुफ्त की योजनायें क्या कामचोरों का देश बनकर रह जायेगा भारत

अर्जुन देशप्रेमी

देश में सरकारें इतनी तरह की सरकारी सहायता नकद राशि लाभ और सब्सिडी दे रहीं हैं कि एक नाकारा और कामचोर व्यक्ति न सिर्फ मजे से जी रहा है, वरन दर्जनभर या उससे भी ज्यादा औलादें पैदा कर देश पर अनावश्यक बोझ डाल रहा है।

इस तरह से दी जा रही सरकारी सहायता और सब्सिडियां कामचोरों की लम्बी चौड़ी फ़ौज भी तैयार कर रही है जो न सिर्फ देश की जीडीपी के लिए खतरनाक है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी आने वाले समय में चौपट कर सकती है। देश में बच्चे के पैदा होने से पहले से ही मुफ्त की योजनाओं का लाभ उसे दिया जाता है। साथ ही उसे पैदा करने वाले उसके माँ और पिता को भी सरकार मुफ्त में नकद राशि से लेकर तमाम सहायतायें (फ्री बीज) दे रही हैं।

कोरोना काल में सरकार ने मुफ्त का अनाज, तेल, नमक और न जाने क्या क्या देश की 80 करोड़ जनता को देना आरम्भ किया।

पर कोरोना समाप्त हुए वर्षों बीत जाने के बाद भी उसे समाप्त नहीं किया। यह अनवरत जारी है।

अब जब सरकार फ्री में अनाज दे रही है तो एक बड़ा तबका पहले की तुलना में कम काम करने का आदी हो गया है। सीधे कहें तो कामचोर होता जा रहा है। रही सही कसर मनरेगा जैसी योजनायें पूरी कर दे रही हैं जिसमे मिलीभगत से घोटाले के माध्यम से लगभग नाममात्र का काम करके उसे धन प्राप्त हो रहा है।

सो पूरा मन लगाकर पूरी सिद्दत से काम कौन करे। सो यहाँ भी कामचोरी की प्रवृति तैयार होती है। परिणाम यह है की अनेक जिलों में लोगों को कामगार नहीं मिल रहे हैं। जो मिल रहे हैं, वे पोरीं उत्पादकता नहीं दे रहे हैं।

देश का हाल यह है कि एक बड़ी आबादी जब लोग बच्चे पैदा करती है तो गर्भधारण के समय से ही जननी योजना के तहत इन्हें पैसे मिलते हैं जो कई कई किश्तों में और कई राज्यों में एकमुश्त मिलते हैं। बच्चे पैदा करने के लिए सरकारी अस्पतालों में फ्री में सारी

सुविधा और इलाज़ मिलती है। ऐसे में आबादी का एक बड़ा तबका यह सोचता है कि क्या दिक्कत है जितने बच्चे पैदा कर लो।

कई कई के तो 14 या इससे भी ज्यादा बच्चे हैं। ये बच्चे जैसे ही सरकारी स्कूलों में दाखिल होते हैं, वैसे ही इन्हें कोपी, किताब, ड्रेस तो फ्री में मिलने ही लगते हैं, मिड डे मिल के तहत खाना भी फ्री में मिलने लगता है। जिस दिन स्कूल नहीं जाते उस दिन इनके माँ बाप इनको दूसरे कामों में लगा देते हैं और कमाई का एक जरिया बना लेते हैं।

मुफ्त में इनके परिवार को रसोई गैस सिलिंडर मिलती है, मुफ्त में मकान मिलता है, मुफ्त में शौचालय मिलता है, मुफ्त में घर घर नल का जल योजना के तहत फ्री में पानी मिलता है और चोरी या कटिया के तहत फ्री में बिजली मिलती है।

फ्री मे राशन का जिक्र तो मै कर ही चूका हूँ। बच्चे जैसे जैसे ऊँची कक्षाओं में जाते है, किसी को लैपटॉप, स्कूटी, साइकिल और न जाने क्या क्या मिलाता है। कई राज्य सरकारें इनको टीवी, फ्रीज़, सोलर जैसी चीजें देती हैं। स्कोलरशिप, वजीफे तो हैं ही, फीस का कोई झंझट ही नहीं है।

कई राज्यों में तो इनको कोचिंग भी फ्री में उपलब्ध कराई जाति है। ऐसे में न बच्चे पैदा करने में समस्या है, न ही इनको पढ़ाने-लिखाने की या उनको पालने पोसने की।

न तो उनके इलाज़ की टेंशन है न दावा दारू की। दारू इसलिए लिख दी कि दिल्ली में तो एक पर एक फ्री तक मिलने लगी थी। लड़कियों औए महिलाओं को आनी जाने के लिए तो बसें फ्री हैं ही। यहाँ यह भी महत्वपूर्ण है कि महिलाओं और लड़कियों को तो हर महीने 3000 रुओअये तक का महीना भी मिल रहा है।

अब दूसरे राउंड में अगर इनके घर में कोई विधवा है तो उसे विधवा पेंशन मिलता है। घर में कोई बुज़ुर्ग है तो वृद्धावस्था पेंशन मिलती है।

इस तरह की पेंशन बड़ी संख्या में वो लोग भी लेते हैं जिनके बच्चे या बड़े काफी मालदार होते हैं या पैसे वाले होते हैं या उनका ठीक ठाक कारोबार होता है या अच्छी खासी नौकरी होती है।

सरकारी जमीनों पर फ्री में कब्ज़ा कराकर इनको झुग्गी झोपडी से लेकर चार चार मंजिल मकान बनाने तक की छूट मिल जाती है जहाँ इनको न तो प्रॉपर्टी टैक्स देना होता है, न पानी का बिल या बिजली का बिल।

और गरीब के नाम पर लोग इनकी वकालत करने लगते है। सो चिंता किस बात की। क्यों कोई जापानियों, अमेरिकियों, जर्मनों या दूसरे देशों के लोगों की तरह मेहनत करे। सब कुछ तो सरकार कर ही रही है।

और यह सब दिया जा रहा है देश में 80 करोड़ से भी ज्यादा लोगों को जो आबादी का लगभग 60 प्रतिशत होते हैं।

ऐसे में आसानी से अनुमान लगाया जा सकता है कि देश किस कदर कामचोरी की तरफ देश की बड़ी आबादी को धकेला जा रहा है जिसका कितना भयावह परिणाम आनेवाले दशकों में आ सकता है। यह कटाई देशहित में नहीं हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

हादसे में ट्रक क्लीनर घायल, हालत गंभीर

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹ । मुरादनगर इलाके में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर दुहाई के पास हादसे में ट्रक सवार क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रक चंडीगढ़ से आगरा के लिए जा रहा था। जब वह सुबह चार बजे के पास एक्सप्रेसवे पर दुहाई के पास पहुंचा तो आगे जा रही बस के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। अचानक ब्रेक लगने से ट्रक बस से जा भिड़ा। इस हादसे में ट्रक सवार क्लीनर भूरा नूराबाद मुरैना मध्यप्रदेश गंभीर रूप से घायल हो गया। क्लीनर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

महिला लेक्चरर ने वीडियो बनाने का आरोप लगाया

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹ । मुरादनगर थाना इलाके के दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित एक कॉलेज परिसर में सीनियर महिला लेक्चरर का वीडियो बनाने का प्रयास किया गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित एक कॉलेज में महिला लेक्चरर कैंपस में ही रहती है। उनका आरोप है कि गत 9 जून की रात करीब नौ बजे वह अपने घर के कमरे में कपड़े बदल रही थी। आरोप है कि इसी बीच पीछे से खिड़की से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी वीडियो बनाने का प्रयास किया। परछाई देखकर डर गई और चीख निकल गई। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। एसीपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है।

पुलिस चौकी के सामने वृद्ध का शव मिला

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹ । मोदीनगर थाना इलाके के दिल्ली मेरठ मार्ग पर गोविन्दपुरी पुलिस चौकी के सामने वृद्ध का शव सड़क पर पड़ा मिला। एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि शुक्रवार सुबह सूचना मिली कि दिल्ली मेरठ मार्ग पर गोविन्दपुरी पुलिस चौकी के सामने एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। मृतक की शिनाख्त गांव कादराबाद निवासी 59 वर्षीय बृजेश कुमार के रूप में हुई। मृतक गुरुवार को ड्यूटी गया था, लेकिन वापस नहीं आया। काफी तलाश के बाद वह नहीं मिले। एसीपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की बाइक के साथ बदमाश गिरफ्तार

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹ । दिल्ली सीमा के नजदीक लोनी के अंकुर विहार थाना पुलिस ने शुक्रवार को चेकिंग के दौरान एक वाहन चोर को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। अंकुर विहार पुलिस सभापुर अंडर पास के पास वाहन की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक बाइक पर आ रहे युवक को चेकिंग के लिए रोका गया। जांच में बाइक के चोरी के होने का पता चला। बाइक चोरी की रिपोर्ट अंकुर विहार थाने में दर्ज है। पुलिस पूछताछ में उसने अपना नाम पप्पू निवासी चमन विहार अंकुर विहार थाना बताया। उसने बताया कि वह रेकी करने के बाद दो पहिया वाहन चुराकर दिल्ली के कबाड़ी बाजार में बेच देता है। सीओ अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि चोर ने बाइक को जिंदल रोड से कुछ दिन पहले चुराना स्वीकार किया है। उसके खिलाफ ट्रोनिका सिटी थाने में वाहन चोरी व एनडीपीएस एक्ट के दो मुकदमे दर्ज हैं।

विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹ । अहमदाबाद में गुरुवार को हुए विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताते हुए शुक्रवार को गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी में श्रद्धांजलि दी गई। स्थानीय निवासियों ने सोसाइटी के सेंटर पार्क में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर बी दयाल अग्रवाल, अनिल सिंह, गौरव बंसल, संजय गौर आदि अन्य स्थानीय लोग मौजूद रहे।

गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

✹ एनसीआर टुडे. नोएडा ✹ । दिल्ली से गांजा लाकर शहर के अलग-अलग हिस्से में आपूर्ति करने वाले तस्कर को फेज वन थाने की पुलिस ने शुक्रवार को सेक्टर दस स्थित एक पार्क के पास से दबोच लिया। उसके पास से एक किलो तीन सौ ग्राम गांजा बरामद हुआ है। तस्कर की पहचान जेजे कॉलोनी निवासी पीयूष साह के रूप में हुई है। 21 वर्षीय पीयूष के खिलाफ फेज वन थाने में एनडीपीएस एक्ट के धारा में तीन केस दर्ज हैं। उसके अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

✹ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✹ । सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में 130 मीटर रोड पर गुरुवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस मुकदमा दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी ने बताया कि दादरी की गगन विहार कॉलोनी में 46 वर्षीय नेपाल सिंह परिवार के साथ रहते थे। वह नोएडा के सेक्टर-63 स्थित एक कंपनी में काम करते थे। नेपाल सिंह गुरुवार को बाइक पर सवार होकर ड्यूटी जा रहे थे। 130 मीटर रोड पर खोदना गांव के समीप किसी अज्ञात वाहन ने इनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में घायल नेपाल सिंह को राहगीरों ने नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

यमुना के डूब क्षेत्र में अतिक्रमण हटाया

✹ एनसीआर टुडे. नोएडा ✹ । नोएडा प्राधिकरण ने शुक्रवार को सेक्टर-150 स्थित यमुना नदी के डूब क्षेत्र में हो रखे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। यहां पर करीब 40 हजार वर्ग मीटर जमीन पर हो रखे अवैध अतिक्रमण को हटाया। इस जमीन के बाजार के हिसाब से करीब छह करोड़ रुपये कीमत है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि वर्क सर्किल-10 की टीम सुबह करीब 9 बजे टीम सेक्टर-150 के सफीपुर गांव के डूब क्षेत्र में पहुंच गई थी। टीम ने पहुंचकर यहां बने हुए कमरों को ध्वस्त करना शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को हुई कार्रवाई में 70 अधिकारी-कर्मचारी, 5 जेसीबी मशीनें, 2 डंपरों का प्रयोग किया गया।

ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर झालू चौकी प्रभारी लाइन हाजिर

✹ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✹

थाना हल्दौर की झालू पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सुभाष राणा को आदेश की अवहेलना करने पर पुलिस अधीक्षक आशुतोष झा द्वारा तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है।

मालूम हो कि झालू चौकी क्षेत्र में एक दुकान पर मोबाइल खरीदने पर दो अलग-अलग धर्म के लोगों में हुए झगड़े के बाद तनाव पैदा हो गया था। गौरतलब है कि पुलिस अधीक्षक ने साम्प्रदायिकता को देखते हुए जनपद के सभी थाना प्रभारियों,चौकी प्रभारियों को सम्भावित घटनाओं की रोकथाम हेतु पैदल गश्त तथा फ्लैग मार्च के आदेश दिए गए थे। झालू पुलिस चौकी प्रभारी ने आदेश की अवहेलना करते हुए पैदल गश्त नही की थी। इसलिए माना गया कि इस लापरवाही के कारण ही चौकी क्षेत्र में एक दुकान पर मोबाइल खरीदने को लेकर दो लोगों के बीच साम्प्रदायिक झगड़ा हुआ था।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने जनपद के सभी थाना प्रभारियों, चौकी प्रभारी सहित सभी अधिकारियों को ड्यूटी में लापरवाही नही बरतने की चेतावनी देते हुए कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

पुलिस चौकी को व्यवस्थित करने तथा क्षेत्र की शांति व्यवस्था कायम रखने में सफल रहे चौकी प्रभारी

एनसीआर टुडे. झालू। अपनी निष्पक्ष कार्य प्रणाली एवं अपराधियों के प्रति सदैव सख्त तेवर अपनाने वाले चौकी प्रभारी सुभाष राणा को करीब 20 माह पूर्व बेहद खस्ता हालत में झालू पुलिस चौकी का चार्ज सोपा गया था।

मालूम हो कि सुभाष राणा ने अपनी कड़ी मेहनत के बूते जहां चौकी क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने में सफलता प्राप्त की। वहीं खस्ताहाल चौकी का कायाकल्प कराकर लोगों के बैठने के लिए भी उचित व्यवस्था कराई। इतना ही नहीं वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग एवं आम जनता के सहयोग से वर्तमान में वे पुलिस चौकी प्रांगण में पूजा पाठ के लिए मंदिर का निर्माण भी करा रहे थे। पुलिस चौकी क्षेत्र में सुभाष राणा एक सफल एवं कुशल चौकी प्रभारी के रूप में अपनी पहचान बना चुके थे।

चौकी में कराए गए विकास कार्य तथा नगर क्षेत्र में अपराधियों पर अंकुश के साथ घटनाओं का तत्काल खुलासा करने के लिए भी सुभाष राणा को याद किया जाता रहेगा।

बताते चलें कि मामूली चूक के चलते सुभाष राणा को लाइन हाजिर कर दिया गया।

एमएमजी में छत का प्लास्टर गिरने से स्वास्थ्यकर्मी घायल

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹

एमएमजी अस्पताल में शुक्रवार को कमरा नंबर पांच की छत का प्लास्टर गिर गया। इससे एक

स्वास्थ्यकर्मी चोटिल हो गया। गनीमत रही कि बड़ा हादसा नहीं हुआ।

एमएमजी अस्पताल की इमारत का निर्माण वर्ष 1956 में हुआ था। 69 साल पुरानी इमारत जर्जर स्थिति में है। कई बार पुराने महिला अस्पताल और पुरुष अस्पताल में भी प्लास्टर गिर चुका है। पिछले दिनों एमएमजी अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर, सीएमएस कार्यालय की छत भी गिर चुकी है, जिसकी मरम्मत कराकर ठीक करा दिया गया। बता दें कि शासन ने इमारत को निष्प्रयोज्य भी घोषित कर दिया है, लेकिन 166 बेड के अस्पताल को शिफ्ट करने के लिए कोई स्थान नहीं मिलने से मजबूरी में मरम्मत कराकर काम चलाया जा रहा है।

ऐसे में हादसे की आशंका बनी रहती है। शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे कमरा नंबर-पांच की छत का प्लास्टर गिर गया। उस वक्त कमरे में स्वास्थ्यकर्मी देवव्रत था। प्लास्टर देवव्रत के हाथ पर गिरा। इससे वह चोटिल हो गया। इसी कमरे में ईसीजी और ऑपरेशन आदि की सरकारी फीस जमा की जाती है। सीएमएस डॉ. राकेश कुमार का कहना है कि जल्द छत की मरम्मत करा दी जाएगी। साथ ही, क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण शीघ्र पूरा करने के लिए भी पत्र लिखा जा रहा है, ताकि अस्पताल को वहां शिफ्ट किया जा सके।

कांस्टेबल सौरभ हत्याकांड : पुलिस की कार्रवाई पर भड़के नगीना सांसद चंद्रशेखर, सीबीआई जांच की मांग

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹

नोएडा पुलिस के कांस्टेबल सौरभ हत्याकांड के बाद मसूरी थाना क्षेत्र के नाहल गांव में लगातार पुलिस कार्रवाई हो रही है।

इसी बीच शुक्रवार को नगीना से सांसद चंद्रशेखर गांव पहुंचे और ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए इस पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की। चंद्रशेखर ने मीडिया से बातचीत में कहा, "अगर पूरा गांव ही अपराधी है तो सबको जेल में डाल दो।

निर्दोष लोगों को तंग करना बंद करो। इस केस की सीबीआई जांच कराई जाए और गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तुरंत सार्वजनिक की जाए।" उन्होंने आगे कहा कि पुलिस की कार्रवाई से गांव में दहशत है और परेशान लोगों को डराया जा रहा है।

नोएडा पुलिस की टीम 25 मई को गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र में एक आरोपी को पकड़ने के लिए गई थी। आरोपी कादिर पुत्र खुर्शीद थाना मसूरी क्षेत्र के नाहल गांव का रहने वाला था और कई मामलों में पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

25 मई की रात करीब 11 बजे नोएडा कमिश्नरेट के थाना फेज-3 के उपनिरीक्षक सचिन राठी अपनी टीम के साथ उसके गांव पहुंचे, लेकिन दबिश के दौरान हालात बिगड़ गए।

भीड़ जुट गई और पुलिस टीम पर अचानक पथराव और फायरिंग शुरू हो गई। इस हमले में कांस्टेबल सौरभ के सिर में गोली लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हमले में अन्य कांस्टेबल सोनित घायल हो गए। इस घटना ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया।

कांस्टेबल सौरभ की मौत के बाद नोएडा और गाजियाबाद पुलिस लगातार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

अब तक 10 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसमें मुख्य आरोपी कादिर का चचेरा भाई भी शामिल है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। फिलहाल इस कार्रवाई को लेकर नगीना सांसद चंद्रशेखर भड़के हुए हैं।

आधा दर्जन गांवों में विकसित कृषि संकल्प अभियान में की गई गोष्ठी आयोजित

✹ एनसीआर टुडे. नहटौर ✹

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत किसानों को पशुपालन, गन्ने के उन्नत उत्पादन गौ आधारित कृषि, ग्रामीण उद्यमिता विकास के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान आधा दर्जन से अधिक गांव में गोष्ठी आयोजित कर किसानों से वार्ता की गई।

नहटौर ब्लॉक के गांव हकीमपुर नारायण, मटौरा दर्गा, हरगनपुर, रायपुर लकड़ा, पपसरा, खिजरपुर, पालौजट आदि गांव में कृषि विभाग गन्ना विभाग के अधिकारी डॉ के के सिंह, डॉ शिवानी, डॉ नरेंद्र प्रसाद, डॉ शकुंतला गुप्ता, डॉ पिंटू कुमार, डॉ सुमित महाजन, डॉ प्रतिमा गुप्ता, डॉ भूपेंद्र कुमार आदि ने किसानों से वार्ता की। कृषि से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। कृषि विभाग के अधिकारियों ने सब्जी अनुसंधान, जलवायु अनुकूल फसल में जल संरक्षण तकनीक, कीट प्रबंधन तकनीक, पोषण उद्यान अपनाने और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों से लड़ने के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान किसानों के द्वारा लाये गए गन्ने का निरीक्षण किया गया और उसका समुचित इलाज भी बताया गया।

अहमदाबाद विमान हादसा मानवता को झकझोर देने वाला दर्दनाक हादसा : मौलाना वकील अहमद

✹ एनसीआर टुडे. नगीना ✹

अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा, जिसमें सैकड़ों कीमती जानें चली गईं, देश ही नहीं, पूरी मानवता के लिए एक गहरा सदमा है। लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट AI171 के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से जो त्रासदी हुई है, वह अत्यंत पीड़ादायक है।

इस दुखद मौके पर मौलाना वकील अहमद रशीदी (नायब जनरल सेक्रेटरी, नगीना, बिजनौर) ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा:

'यह हादसा सिर्फ एक तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि इंसानियत का भारी नुकसान है। हम उन सभी परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। यह क्षण हमें यह एहसास दिलाता है कि जीवन कितना अनमोल और क्षणभंगुर है।'

मौलाना रशीदी ने केंद्र सरकार से माँग की कि वह इस दुर्घटना की निष्पक्ष व शीघ्र जाँच करवाए और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवज़ा व मानसिक सहारा प्रदान करे। उन्होंने जनता से अपील की कि वह इस मौके पर राजनीतिक मतभेदों को छोड़कर पीड़ितों के लिए दुआ करें और हरसंभव मदद दें। अंत में मौलाना ने प्रार्थना की कि ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें, घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य दें, और उनके परिवारों को सब्र व शक्ति दें।

कटौती से परेशान मोहल्ले वासियों ने रात्रि में ही विद्युत केंद्र पर जताया विरोध

✹ एनसीआर टुडे. नहटौर ✹

बिजली कटौती से परेशान मोहल्ले वासियों ने रात्रि में नहटौर विद्युत केंद्र पर पहुंचकर विरोध जताया। राष्ट्रीय लोकदल की युवा टीम ने भी एसडीओ को ज्ञापन देकर विद्युत सुधार की मांग की। RLD (युवा) के नगराध्यक्ष एड. उमैर अख्तर निवासी क़ाज़ियान ने अपने खंड अधिकारी मौहल्ला काज़ियान में ट्रांसफार्मर स्थापित करने एवं विद्युत आपूर्ति को सुचारू रूप से बनाए रखने की मांग की। रात्रि में मौहल्ले जोशियान एवं मुख्य बाजार, पंचायती मंदिर व नगर के अनेक लोगों ने विद्युत उपकेंद्र पर पहुंचकर बिजली कटौती की समस्या को लेकर नाराजगी जताई।

नगर के चौमुखी विकास के लिए दिन रात लगे हैं चेयर परसन पति जावेद विकार

✹ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✹

नगर के मोहल्ला महौली में विकास कार्यों का जायजा लेने पहुंचे चेयर पर्सन पति जावेद विकार से एक खास मुलाकात में शहर के विकास पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले मेरा परिवार शहर की जनता है। जिन्होंने मुझे मेरी पत्नी तबस्सुम जावेद को अध्यक्ष बनाकर मेरे कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी सौप दी है। जिसको पूरा करने के लिए मैं और मेरी पत्नी विकास की गंगा बहा रहे हैं। जब जब शहर की जनता ने हमें शहर की जिम्मेदारी बाग दौड़ हमारे हाथ में दी है हमने हमेशा शहर का विकास किया है।

जनता को हर कदम पर राहत देने का काम किया है चाहे वह वार्ड नंबर 1 से लेकर 25 तक बिना भेदभाव के सीसी रोड का कार्य हो या पानी के लिए टंकी का पाइप का नवीनीकरण हो। शहर के अंदर सफाई व्यवस्था एक अलग ही पहचान अफजलगढ़ की मिली है।

शहर के अंदर बस स्टैंड पर आम जनता के बैठने के लिए व्यवस्था की गई हो या शहर को रोशनी से जगमग करने के लिए जगह-जगह लाइट की बेहतर व्यवस्था की गई है। यह सफर यहां ही नहीं रुकता शहर को स्वच्छता अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के चुनिंदा नगर पालिका में अफजलगढ़ का नाम भी शामिल किया गया हो। यह मैं अकेला नहीं कर सकता इस कड़ी में एक नाम जोड़ता है।

नगर पालिका परिषद के लोकप्रिय ई ओ एसपी सिंह का। जिन्होंने अपने प्रयासों से सरकार के द्वारा आने वाली योजनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए अपनी कड़ी मेहनत से जनता का दिल जीत लिया है। वही नगर पालिका स्टाफ में सभासदों का भी सहयोग मिलता रहा है। जिसकी वजह से आज शहर के अंदर विकास कार्यों का नया कीर्तिमान बना रहा है।

इसलिए कुछ वर्षों में विकास तो होगा लेकिन इन लगभग 3 साल के कार्यकाल में शहर ने नया इतिहास रचा। गली मोहल्ले में सफाई व्यवस्था के लिए मेट्रो घर-घर पहुंच रही है और जनता से भी सहयोग मिल रहा है। मेरी सभी से अपील है शहर को स्वच्छ रखें साफ रखें हाउस टैक्स पानी का बिल समय पर जमा करिये।

जिससे विकास को गति मिले सबका साथ सबका विकास। इस अवसर पर जावेद विकार चेयरपर्सन पति समाजसेवी इकराम अली, परवेज विकार, जमशेद विकार, राजू राठी, खलील अहमद, नसीम अहमद आदि मौजूद रहे।

यूनिटी प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने विमान हादसे में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

✹ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✹

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में कई लोगों की जान जाने की दुखद घटना पर यूनिटी प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

क्लब के अध्यक्ष ज़फ़र इक़बाल एडवोकेट, महामंत्री इमरान उसमानी, ज़ुबैर हसन मंत्री, मोहम्मद अजहर कोषाध्यक्ष, डॉ इश्तियाक़ अंसारी उपाध्यक्ष, मोहम्मद उमैर अंसारी उर्फ़ सुहैल प्रचार मंत्री व सदस्यों ने एक शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।

क्लब अध्यक्ष ने हादसे को अत्यंत दुखद और हृदयविदारक बताया। उन्होंने कहा, 'इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएँ पीड़ित परिवारों के साथ हैं। ईश्वर उन्हें यह असहनीय पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें।'

शोक सभा में मौन रखकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

यूनिटी प्रेस क्लब ने विमान हादसे में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

✹ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✹

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में कई लोगों की जान जाने की दुखद घटना पर यूनिटी प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

क्लब के अध्यक्ष ज़फ़र इक़बाल एडवोकेट, महामंत्री इमरान उसमानी, ज़ुबैर हसन मंत्री, मोहम्मद अजहर कोषाध्यक्ष, डॉ इश्तियाक़ अंसारी उपाध्यक्ष, मोहम्मद उमैर अंसारी उर्फ़ सुहैल प्रचार मंत्री व सदस्यों ने एक शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। क्लब अध्यक्ष ने हादसे को अत्यंत दुखद और हृदयविदारक बताया। उन्होंने कहा, 'इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएँ पीड़ित परिवारों के साथ हैं। ईश्वर उन्हें यह असहनीय पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें।'

शोक सभा में मौन रखकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। क्लब के सदस्यों ने सरकार से दुर्घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग भी की।

यूनिटी प्रेस क्लब ने हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और राहत व बचाव कार्य में जुटे सभी कर्मियों की सराहना की।

मोबाइल लूट और चोरी की वारदात करने वाले दो बदमाश दबोचे

16 मोबाइल फोन, चोरी की बाइक और दो हजार रुपये बरामद

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹

मोबाइल लूट और चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को नगर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से 16 मोबाइल फोन, चोरी की बाइक और दो हजार रुपये बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपियों कई घटनाओं को अंजाम देने की बात कबूली है।

एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने बताया कि नगर कोतवाली थाने की पुलिस टीम गुरुवार शाम क्षेत्र में गश्त व संदिग्धों की चेकिंग कर रही थी।

रात करीब साढ़े 10 बजे रामलीला ग्राउंड के गेट नंबर-दो पर पहुंचने पर मुखबिर ने सूचना दी कि दो लड़के लूट और चोरी के मोबाइल लेकर घंटाघर की तरफ से गाजियाबाद रेलवे स्टेशन की तरफ चोरी की बाइक से जा रहे हैं। थोड़ी ही देर बाद बाइक पर दो लड़के आते दिखाई दिए, जिनकी तरफ मुखबिर ने इशारा कर दिया।

इस पर पुलिस टीम ने युवकों को रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर वापस मुड़ने लगे।

पुलिस ने पीछा किया तो हड़बड़ाहट में युवकों की बाइक फिसल गई, जिसके बाद घेराबंदी करते हुए उन्हें दबोच लिया गया। बाइक पर पीछे बैठे युवक के पास मौजूद बैग की तलाशी ली तो उसमें 16 मोबाइल बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह राहगीरों से मोबाइल छीनते हैं या चोरी कर लेते हैं और उन्हें राह चलते लोगों को बेचकर अपने शौक पूरे करते हैं।

सीओ के मुताबिक आरोपियों की पहचान वेव सिटी थानाक्षेत्र के मोहल्ला बाजीगरान डासना निवासी अयूब और सलीम के रूप में हुई है। एसीपी ने बताया कि आरोपियों के पास दो हजार रुपये भी बरामद हुए।

उनके बारे में आरोपियों ने बताया कि नौ जून को उन्होंने जस्सीपुरा कट से एक व्यक्ति का फोन छीना था, जिसे उन्होंने तीन हजार रुपये में बेच दिया था। बरामद रुपये उसी रकम में से बचे हैं। इसके अलावा आरोपियों से बरामद बाइक भी चोरी की निकली।

वह तीन महीने पहले विजयनगर क्षेत्र चुराई गई थी। सीओ का कहना है कि आरोपियों ने नौ मई की सुबह मेट्रो स्टेशन से एक व्यक्ति तथा नौ जून की सुबह करीब चार बजे ई-रिक्शा चालक से मोबाइल छीनने की घटना को अंजाम देने की बात भी कबूली है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मोबाइल लूट और चोरी की गई घटनाओं का खुलासा हुआ है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा (इ–प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियंता–II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे ई–निविदा आमंत्रण।

NIT - 07	**कार्य का नामः** वरिष्ठ मंडल अभियंता–द्वितीय/दिल्ली के क्षेत्राधिकार में 1. सहायक मंडल अभियंता, शामली के अधीन SSE/P.WAY/SMQL अनुभाग में स्थित LHS की जल निकासी (डिवाटरिंग) का कार्य। 2. सहायक मंडल अभियंता/मेरठ के अधीन SSE/W/MOZ एवं SSE/W/MTC अनुभागों में कुल 27 संख्या में स्थित LHS की जल निकासी (डिवाटरिंग) का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये) :– IREPS पर NIT के अनुसार** **बयाना राशि (रुपये): IREPS पर NIT के अनुसार**
NIT - 31	**कार्य का नामः** वरिष्ठ मंडल अभियंता–द्वितीय/दिल्ली के क्षेत्राधिकार में सहायक मंडल अभियंता/शामली के अधीन SSE/PWAY/BTU अनुभाग में LHS की जल निकासी (डिवाटरिंग) का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये) :– IREPS पर NIT के अनुसार** **बयाना राशि (रुपये): IREPS पर NIT के अनुसार**

निविदा खोलने की तिथि और समय	08.07.2025 15:00 Hrs.
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध।

ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) **IREPS** साइट **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं 128-W/280/e Tender Notice/NIT-07&31-25-26-W-II दिनांक : 13.06.2025

1766/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

विकास की पटरी पर तेजी से दौड़ता मध्यप्रदेश

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश पहले सपना था लेकिन अब हकीकत बनकर हमारी आँखों के सामने आ चुका है। मध्यप्रदेश विकास का रोल मॉडल बनकर तेजी से उभरा है। इसका प्रमाण है जन-जन का विकास और संचार समेत अन्य संसाधनों में उल्लेखनीय प्रगति। प्रसंगवश बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई बार मध्यप्रदेश की सराहना कर चुके हैं।

विकास के मामलों में पिछड़ते जा रहे राज्यों पर जब गहन चिंतन मनन होता है तब मध्यप्रदेश का उदाहरण सबके सामने प्रश्तुत किया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस प्रदेश के साथ साथ मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से भी अत्यधिक प्रभावित हैं।

उनकी कर्तव्य परायणता का जिक्र वे अपने भाषणों में अक्सर करते हैं। डॉ.मोहन यादव हैं भी तारीफ के काबिल, क्योंकि अपनी अकर्मण्यता, कौशल्य के दम पर उन्होंने मध्यप्रदेश को अग्रणी स्थान दिलाया है। उनकी सक्रियता प्रदेश भर में है। सुदूर क्षेत्रों में भी यदि समस्या हो तो वे उसके निराकरण के लिए प्रयासरत होते हैं। प्रशासनिक अमला भी उनके दिशा निर्देशों का तटस्थता सजगता से पालन करता है। वर्षों की समस्या को देखते देखते सुलझा लिया जाता है।

डॉ.मोहन यादव के काम, उनके आश्वासन और वायदों पर प्रदेश के लोगों ने भरोसा जताया है। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के डेढ़ वर्ष का कार्यकाल पूरा हो रहा है। सरकार के कामकाज को परखने उससे संतुष्ट होने वाले लोगों की संख्या ज्यादा है लेकिन आलोचना करने वाले भी कम नहीं। इन सबके बीच विपक्ष की आलोचना,टीका टिप्पणी को नजर अंदाज कर मध्यप्रदेश क¨ विकास के राश्ते पर आगे ले जाने का लक्ष्य अपने गंतव्य पर निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है।

यह सदी विकास की है। एक तरफ जहाँ देश ने विश्व पटल पर अपनी पृथक पहचान स्थापित कर ली है। वहीं मध्यप्रदेश ने विकास के विभिन्न आयाम स्थापित कर साबित कर दिया है कि हौसले बुलंद हों तो कुछ भी असम्भव नहीं। याद दिलाना होगा कि इस सदी के आरम्भ से ही मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता की बागडौर सम्भाल रखी है।

खास बात यह है कि आम आदमी की फिक्र करने के साथ सबको एक नजरिये से देखा जाता है। बीच के कुछ महीने छोड़ दें तो अधिकांश समय सत्ता की चाबी भारतीय जनता पार्टी के पास ही रही है। इस दौरान गुजरते वक्त के साथ भाजपा ने प्रदेश के लोगों के दिलों में अपनी एक अलग जगह बनायी है। यहाँ बता दें कि मध्यप्रदेश बड़ा राज्य है और बड़े दिल वाले प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव इन दिनों पूरी सक्रियता के साथ प्रदेश का भ्रमण कर रहे हैं। वे आम आदमी से सीधे जुड़कर उससे सीधा संवाद कर रहे हैं। जनता का असीम स्नेह उनके कार्यों की सफलता की गारंटी है।

यह भी एक चमत्कार की तरह है कि वे जनता की दवा बनकर हमेशा साथ खड़े हो जाते हैं। मसला किसानों की समस्याओं का हो, मजदूरों का हो या प्रदेश के साथ न्याय नहीं होने का । उनका दिल मध्यप्रदेश के लिए ही धड़कता है और मध्यप्रदेश में ही बसता है। डॉ.मोहन यादव ने यह साबित कर दिया है कि कुशल प्रबंधन तथा अथक परिश्रम से कुछ भी असम्भव नहीं।

सबका साथ सबका विकास की थीम पर मध्यप्रदेश अपनी तासीर के अनुरूप भाषा, बोली और जाति के नाम पर किसी भी नागरिक से पराये सा व्यवहार नहीं करता है, बल्कि जो आता है उसे गले लगा लेता है। मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक विकास की बुनियाद को मजबूत करने के लिये भौतिक तथा मानवीय आधारभूत संरचना मजबूत होना चाहिये।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने आत्मनिर्भरता को न सिर्फ मध्यप्रदेश के भविष्य निर्माण की दृष्टि से देखा, बल्कि उसे व्यक्तिगत चेतना से आगे ले जाकर समूह चेतना में परिवर्तित करने का उपक्रम भी किया है। आज हम देख रहे हैं कि मध्यप्रदेश के युवा डॉ.मोहन यादव की मदद से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। यही विकास का शंखनाद है। चुनौतियों से सदा जूझते रहने वाले युवा वर्ग को प्रोत्साहन के साथ संबल देने की नितांत आवश्यकता है। मानकर चलते हैं कि आज का युवा कल का भविष्य है। य

ुवा उत्थान की दिशा में आगे बढ़ने के दौरान सरकार के साथ आमजन को भी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। रोजगार के साथ तकनीकि शिक्षा के आवश्यक संसाधन जुटाने होंगे। बंद पड़े उद्योगों, लघु उद्योंगों को पुनः शुरू करने से युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिल सकेगा। इस दिशा में सरकार प्रयास करे तो बेहतर होगा। आज का युवा कल का भविष्य है इसे दृष्टिगत रखकर लिये गये हर एक फैसले का स्वागत है। यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि सरकार महिला सशक्तिकरण, बालिका प्रोत्साहन तथा सुरक्षा पर अत्यधिक व्यय कर रही है।

महिला सम्मान में कहीं कोई कमी न रह जाये इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। मातृ शक्ति के अधिकार, स्त्रीत्व के सम्मान, सुरक्षा और उसके सामाजिक आर्थिक विकास के लिये प्रतिबद्ध डॉ मोहन यादव समय की सीढ़ियाँ चढ़ते हुए इस दिशा में लगातार चिंतन मनन करने के साथ अपनी सोच और विचार को धरातल पर उतारते रहें हैं।

पति की जान की दुश्मन बनती नई नवेली दुल्हनें!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

एक जमाना था जब शादी के बाद दुल्हनों को ससुराल में कभी दहेज के लिए तो कभी अन्य कारणों से प्रताड़ति किया जाता था,लेकिन अब हालात विपरीत हो गए है ,अब नई नवेली दुल्हनें अपने ही सुहाग को निपटाने में लगी है।ऐसी एक नही अनेक घटनाएं हो गई है ,जिनमे पत्नियों ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर या फिर खुद ही क्रूरता की हदे पार कर अपनी ही पति को मौत के घाट उतार दिया है।

हाल ही में मेघालय में राजा रघुवंशी की हत्या का खुलासा हो गया है। राजा की पत्नी सोनम ने ही अपने प्रेमी राज कुशवाह के साथ मिलकर पति की हत्या की योजना तैयार की थी।शादी से पहले सोनम और राज के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। राज इंदौर में सोनम के पिता की प्लाईवुड फैक्ट्री में काम करता था, जहां दोनों की मुलाकात हुई और प्रेम प्रसंग शुरू हुआ। सोनम उम्र में राज से 5 साल बड़ी है। पुलिस के मुताबिक, सोनम के कहने पर राज ने राजा की हत्या की साजिश रची और भाड़े के हत्यारो को सुपारी दी गई।

राजा की पत्नी यानी सोनम रघुवंशी वारदात वाली जगह पर मौजूद थी और उन्होंने अपने पति को मरते हुए देखा।'सभी चार आरोपियों ने राजा रघुवंशी की हत्या करने की बात कबूल की है।पहला वार विशाल उर्फ विक्की ठाकुर ने किया था।' पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कैसे राजा रघुवंशी पर हमला किया और बाद में उसकी लाश को एक गहरी खाई में फेंक दिया।

क्राइम ब्रांच की जांच के अनुसार, तीन आरोपी विशाल, आकाश और आनंद ट्रेन से इंदौर से चले थे। वे कई ट्रेनों को बदलते हुए पहले गुवाहाटी और फिर शिलॉन्ग पहुंचे, एसीपी यादव ने बताया सोनम का प्रेमी और सह-साजिशकर्ता राज कुशवाहा इंदौर में ही रुका रहा लेकिन उसने तीनों को यात्रा खर्च के लिए 40,000-50,000 रुपये दिए गए थे।

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि राजा की हत्या के समय सोनम मौके पर मौजूद थीं और उन्होंने सब कुछ देखा,इधर सोनम शिलॉन्ग पहुंच चुकी है।अब उससे राजा की हत्या का राज उगलवाया जाएगा। सोनम को लगा था कि उसके भाड़े पर के किलर और प्रेमी राज कभी सोनम का सच सामने नहीं आने देंगे।

मगर पुलिस की मार पड़ते ही चारों आरोपियों ने न केवल अपना जुर्म कबूला, बल्कि यह भी कह दिया कि सोनम ने कैसे अपनी आंखों के सामने अपने पति को मरवाया।मेघालय पुलिस के 'ऑपरेशन हनीमून' ने इस साजिश की कई परतें उजागर की हैं, जिसमें सोनम की हत्या के समय मौके पर मौजूदगी, सुपारी किलरों के साथ उनकी मुलाकात, और जांच को भटकाने की कोशिशें शामिल हैं। इस मामले में कई चौंकाने वाले अपडेट्स सामने आए, जिन्होंने इस हत्याकांड की क्रूरता और साजिश की गहराई को और स्पष्ट किया है।

सोनम अब भी यही दावा कर रही है कि उसे अगवा किया गया था,हालांकि पुलिस ने उसके दावे को खारिज कर दिया है।वहीं इस मामले में गिरफ्तार अन्य आरोपियों के कबूलनामे ने सनसनी मचा दी है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में गिरफ्तार चार आरोपियों राज कुशवाहा, आकाश राजपूत, विशाल सिंह चौहान, और आनंद कुर्मी ने मर्डर का जुर्म स्वीकार कर लिया है।इंदौर क्राइम ब्रांच की सहायक पुलिस आयुक्त पूनम चंद यादव ने यह जानकारी दी है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इन आरोपियों ने यह भी बताया कि हत्या के समय सोनम रघुवंशी भी वेई सॉडोंग झरने के पास मौजूद थी और उसने अपने पति राजा को मरते हुए देखा था।

आरोपियों ने खुलासा किया कि सोनम ने राजा की हत्या से पहले चिल्लाकर कहा, 'मार दो इसे,' और हत्या के बाद राजा के शव को खाई में धक्का देने में उनकी मदद की।सोनम ने राजा की हत्या को लूट का रूप देने की योजना बनाई थी।वह कुछ समय तक विधवा बनकर रहना चाहती थी, फिर अपने परिवार को राज कुशवाहा से शादी के लिए मनाने की कोशिश करती।

पुलिस ने 39 सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें सोनम और तीनों सुपारी किलर शिलॉन्ग और गुवाहाटी के होटलों में दिखे।हत्या में इश्तेमाल हथियार गुवाहाटी के एक होटल के बाहर की दुकान से खरीदा गया था।

सोनम और राज कुशवाहा की मुलाकात दो साल पहले हुई थी। राज, जो सोनम के भाई की टाइल कंपनी में काम करता था, सोनम को 'दीदी' कहकर बुलाता था ताकि किसी को शक न हो, वहीं इन दोनों ने हत्या की योजना शादी के तीन दिन बाद बनाई गई।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस घटना को समाज के लिए सबक बताते हुए कहा, 'यह बहुत दुखद है।शादी में दो परिवारों के बीच सावधानी बरतनी चाहिए।बच्चों को इतनी दूर भेजने पर भी विचार करना चाहिए।'

राजा रघुवंशी हत्याकांड ने न सिर्फ इंदौर और मेघालय, बल्कि पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। सोनम रघुवंशी की गिरफ्तारी और आरोपियों के कबूलनामे ने इस साजिश की क्रूरता को उजागर किया है।मेघालय पुलिस की तेजी और साक्ष्यों ने इस मामले को लगभग सुलझा लिया है, लेकिन सोनम के पिता के दावे और सीबीआई जांच की मांग इस केस में नए मोड़ ला सकते हैं।

इससे पहले भी कई ऐसे प्रेम प्रसंग के मामले सामने आ चुके है ,जिनमें शादी के बाद पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की या कराई है।

अप्रैल के महीने में उत्तर प्रदेश के देवरिया में एक महिला ने अपने प्रेमी की मदद से अपने पति की हत्या कर दी और शव को दो टुकड़ों में काटकर ट्रॉली बैग में भरकर ठिकाने लगाने की कोशिश की।38 वर्षीय नौशाद अहमद 10 दिन पहले ही दुबई से लौटा था,मईल थाना क्षेत्र के भटौली गांव में उसके घर से करीब 55 किलोमीटर दूर तरकुलवा थाना क्षेत्र के एक खेत में उसका शव मिला।

मेरठ के सौरभ हत्याकांड में भी ऐसा ही हुआ था।3 मार्च को मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर सौरभ की हत्या कर दी ।उसने शव के टुकड़े करके नीले ड्रम में सीमेंट के साथ बंद कर दिया गया था,इसके बाद दोनों घूमने निकल गए,जब वे लौटे, तब इस हत्या का खुलासा हुआ। तब से मुस्कान और साहिल दोनों सलाखों के पीछे हैं।

इसी तरह मेरठ में अमित कुमार की हत्या उसकी पत्नी रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर की । हत्या को हादसा दिखाने के लिए रविता ने अमित के शव के पास सांप रख दिया और कहा कि उसकी मौत सांप के काटने से हुई है। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सच छिप न सका,जांच में पता चला कि रविता और अमरदीप ने मिलकर अमित की गला घोंटकर हत्या की थी।वही अप्रैल माह में बिजनौर के फारूक की हत्या कर दी गई।

फारूक सऊदी में काम करता था और गांव लौटा था।उसे पता चला कि उसकी पत्नी अमरीन का गांव के मेहरबान से प्रेम प्रसंग है। फारूक ने अमरीन की पिटाई की, जिससे नाराज होकर अमरीन ने मेहरबान के साथ मिलकर उसे मारने की साजिश रची,जिस पर मेहरबान और उसके साथी उमर ने फारूक को गोली मार कर उसकी हत्या कर दी।इन घटनाओं से अब पति भी डरे हुए है ,नये रिश्तों में भी चौकसी बरती जा रही है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

केंद्र सरकार के उपक्रम बन रहे कमाऊ पूत

प्रहलाद सबनानी

आज से एक दशक से अधिक समय पूर्व तक केंद्र सरकार के उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए केंद्रीय बजट में भारी भरकम राशि का प्रावधान करना पड़ता था तथा इन उपक्रमों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। परंतु, आज स्थिति एकदम बदल गई है एवं अब केंद्र सरकार के उपक्रम केंद्र सरकार को लाभांश के रूप में भारी भरकम राशि प्रदान कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों में यह आमूलचूल परिवर्तन केंद्र में ईमानदार सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निगमित अभिशासन से सम्बंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के चलते ही सम्भव हो सका है।

पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च श्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णतः अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में आज का नेतृत्व कुशल, ईमानदार एवं देश प्रथम की नीति पर चलने के साथ ही देश के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला है।

वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसके बाद ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, आईओसी ने 41,730 करोड़ रुपए,

भारतीय जीवन बीमा निगम ने 40,916 करोड़ रुपए, भारतीय कोयला निगम ने 37,402 करोड़ रुपए, बीपीसीएल ने 26,859 करोड़ रुपए, एनटीपीसी ने 20,812 करोड़ रुपए, बैंक आफ बड़ोदा ने 18,767 करोड़ रुपए, हिन्दुश्तान पेट्रोलीयम ने 16,015 करोड़ रुपए एवं पावर फाइनैन्स करपोरेशन ने 15,889 करोड़ रुपए की राशि का लाभ अर्जित किया है।

इसके अतिरिक्त, पावर ग्रिड, कनारा बैंक, आरईसी लिमिटेड एवं यूनियन बैंक, ने 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है।

साथ ही, गैस अथॉरिटी इंडिया लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक, इंडीयन बैंक, जैसे केंद्र सरकार के 42 अन्य उपक्रमों ने भी भारी भरकम राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक, जो भारत में एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करता है एवं इस पर केंद्र सरकार का नियंत्रण लगभग नहीं के बराबर रहता है, ने भी पूरे विश्व के कई बड़े केंद्रीय बैंकों के बीच सबसे अधिक राशि का लाभ अर्जित किया है।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को वर्ष 2024 में 7,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान उठाना पड़ा है, इसी प्रकार ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक, बैंक आफ इंग्लैंड को 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है तथा यूरोपीयन यूनियन के केंद्रीय बैंक, ईसीबी को 900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। वहीं, इन केंद्रीय बैंकों की तुलना में भारतीय रिजर्व बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभ हुआ है। जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को इस वर्ष 2.70 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश अदा करने की घोषणा की है। विभिन्न केंद्र सरकार के उपक्रमों ने भी इस वर्ष केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश अदा किया है।

भारतीय रिजर्व बैंक एवं केंद्र सरकार के उपक्रमों से प्राप्त होने वाली कुल लाभांश की राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट में किए गए प्रावधान की राशि से कहीं अधिक है।

इसी प्रकार, केंद्र सरकार को प्रत्येक माह प्राप्त होने वाली वश्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि भी अब मासिक औसत के रूप से 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। अप्रेल 2025 माह में तो केंद्र सरकार को रिकार्ड 2.36 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व वश्तु एवं सेवा कर की मद से प्राप्त हुआ था। इसी प्रकार, मई 2025 में 2.01 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व जीएसटी मद से प्राप्त हुआ है। देश में प्रत्यक्ष कर (आय कर एवं कारपोरेट कर सहित) के रूप में प्राप्त राशि अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त राशि से कहीं अधिक रही है।

देश के आम नागरिकों के हित में यह बहुत अच्छा कार्य हुआ है क्योंकि प्रत्यक्ष कर उन नागरिकों से प्राप्त किया जाता है जो इस कर को अदा कर सकने की क्षमता एवं योग्यता रखते हैं अर्थात उनकी आय कर देने योग्य आय के श्तर से ऊपर रहती है जबकि अप्रत्यक्ष कर समाज के प्रत्येक वर्ग पर सामान्य रूप से एक जैसा लगाया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में 22.26 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष कर के रूप में केंद्र सरकार को प्राप्त हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त 19.60 लाख करोड़ रुपए की राशि से 13.57 प्रतिशत अधिक है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अप्रत्यक्ष कर (जिसमें वश्तु एवं सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क शामिल हैं) के रूप में प्राप्त राशि का लक्ष्य 16.33 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित किया गया था।

अप्रत्यक्ष कर की मद की तुलना में प्रत्यक्ष कर की मद से अधिक कर राशि का संग्रहण होना यह भी दर्शाता है कि भारत में नागरिकों की कर देने योग्य आय में वृद्धि दर अधिक है एवं आय कर अदा करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय सुधार हो रहा है। अर्थात, देश में उच्च आय अर्जित करने वाले नागरिकों एवं मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक अब तेज गति से मध्यमवर्गीय नागरिकों की श्रेणी में परिवर्तित हो रहे हैं।

यदि भारत के नागरिक लगातार इसी प्रकार की आर्थिक तरक्की करते रहे तो केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के लिए देश में पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने एवं समाज के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाये रखने में किसी भी प्रकार की समस्या खड़ी नहीं होगी। किसी भी देश के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए वित्त की अनुपलब्धता ही मुख्य समस्या के रूप में सामने आती है।

परंतु, देश के नागरिक जो गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यमवर्गीय अथवा उच्चवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं, वे यदि केंद्र एवं राज्य सरकारों की वित्त व्यवस्था को सुदृद्ध बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तो भारत के लिए आर्थिक विकास की दर को दहाई के आंकड़े तक ले जाने में कोई बहुत अधिक समय नहीं लगने वाला है।

केंद्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों एवं निजी क्षेत्र द्वारा देश में गरीब वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के साथ ही यदि पूंजीगत खर्चों में भी वृद्धि की जाती है तो देश के नागरिकों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित होते हैं एवं इससे देश के नागरिक देश की आर्थिक तरक्की में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पाते हैं।

भारत में भी इसी प्रकार की व्यवस्था खड़ी होती हुई दिखाई दे रही है, जिसका डंका पूरे विश्व में बज रहा है।

मन्दिरों में पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन बन्द हो

ललित गर्ग

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में पैसे लेकर दर्शन कराने वाले बाउंसरों की गिरफ्तारी के बाद श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में सुगम दर्शन के नाम पर एक साथ इक्कीस लोगों की गिरफ्तारी जहां मंदिर प्रशासन की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है, वही ईश्वर के दरबार में पांव फैला रहा भ्रष्टाचार गहन चिन्ताजनक एवं शर्मनाक हैं। कुछ ही दिनों पहले ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर में भक्तों से वीआइपी दर्शन के नाम पर अवैध वसूली करने पर प्रशासन ने एक होमगार्ड जवान और दो पंडितों पर कार्रवाई की है।

देश-विदेश के भक्त अगाध श्रद्धा से अपने आराध्य का दर्शन करने आते हैं, लेकिन देश के प्रमुख मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने के नाम पर पैसों की लूट मची है या वीआईपी संस्कृति के नाम पर त्रासद एवं भेदभावपूर्ण स्थितियां पसरी है। सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? मन्दिरों में गरीब एवं अमीर के बीच भेदभाव की स्थितियां खुला भ्रष्टाचार ही है। पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो त्रिशतरीय सुरक्षा व्यवस्था भी है। मंदिर का चप्पा-चप्पा सीसीटीवी कैमरे की पहुंच में है। यह मन्दिर सुरक्षा कारणों से अतिसंवेदनशील स्थल होने के बावजूद ऐसा कृत्य खेदजनक ही नहीं, आपत्तिजनक भी है। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि दर्शन की प्रचलित व्यवस्था को और सुगम, भ्रष्टाचार व दोषरहित बनाए ताकि व्यवस्था में कोई सेंध न लगे और जन-आस्था आहत न हो।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो सुगम दर्शन का शुल्क भी जमा कराया जाता है पर ठगों की जमात ने शीघ्र दर्शन के नाम पर कमाई का नया राश्ता तलाश लिया। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि वह सुगम दर्शन व्यवस्था के नाम पर हो रही धांधली को गंभीरता से ले।

फर्जी पंडा, गाइड बनकर लोगों को झांसे में लेने वाले लोग अचानक एक दिन में डेरा नहीं जमाए होंगे। यह सब काफी समय से चल रहा होगा। इस प्रकार की ठगी करने की संभावना कैसे बन जाती है, इसकी जांच होनी चाहिए।

बात केवल ठाकुर बांके बिहारी मंदिर या श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की ही नहीं है, बल्कि देश के प्रमुख मन्दिरों में बढ़ती जन-आस्था की भीड़ एवं लम्बी-लम्बी लाइनों के बीच पैसे लेकर या वीआईपी दर्शन कराने की त्रासद एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों की हैं, जिसने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

बांके बिहारी मंदिर में एक बार फिर वीआईपी कल्चर का खेल सामने आया है। मंदिर की भीड़ से हटकर वीआईपी दर्शन कराने के नाम पर एक निजी सुरक्षा एजेंसी ने बाउंसर उपलब्ध कराकर पैसे कमाने का गोरखधंधा शुरू कर दिया था। एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रचार कर यह दावा किया कि वे श्रद्धालुओं को भीड़ से बचाकर विशेष वीआईपी दर्शन कराने में मदद कर सकते हैं।

यह तो घोषित गैरकानूनी व्यवस्था है, लेकिन अन्य प्रमुख मन्दिरों में भी मन्दिर से जुड़े लोग या अन्य ठग पैसे लेकर दर्शन कराते हैं। सबसे ज्यादा दुखद एवं विडम्बनापूर्ण है वीआईपी दर्शन का प्रचलन। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों मन्दिरों में वीआईपी दर्शन के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की।

दरअसल, वीआईपी संस्कृति का दायरा बहुत व्यापक है। यह धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र से लेकर आस्था तक, कई मौकों पर कुछ खास लोगों को विशेष सुविधाएं दी जाती हैं। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत कहता है कि सभी नागरिक समान हैं, फिर भी व्यवहार में कुछ लोग 'विशेष' बन जाते हैं, चाहे वे सड़क पर हों, सरकारी दफ्तरों में, अस्पतालों में या मंदिरों में! इसी तरह, बड़े नेताओं और अधिकारियों के लिये मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने की व्यवस्थाएं हैं, जिससे लम्बी कतारे और लम्बे समय का इंतजार करती है। ऐसी व्यवस्था से मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों में हादसें भी होते हुए देखे गये हैं। इन वीआईपी के लिए अक्सर यातायात रोक दिया जाता है, जिससे आम जनता घंटों जाम में फंसी रहती है। अस्पतालों में वीआईपी वार्ड हैं, जबकि आम मरीजों को बिश्तर भी नहीं मिल पाता।

एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर वीआईपी यात्रियों को विशेष सुविधाएं मिलती हैं, जबकि आम लोग लंबी कतारों में खड़े रहते हैं। वीआईपी संस्कृति एक नासूर बन गई है। यही कारण है कि हर सरकार वीआईपी संस्कृति को खत्म करने का वादा करती है, लेकिन हकीकत में इसे बनाए रखने के नए-नए तरीके खोजे जाते हैं।

वीआईपी कल्चर एवं पैसे लेकर दर्शन कराने की धांधली ने एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी या पैसे लेकर दर्शन क्यों है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया पैदा करता है?

प्रसिद्ध मन्दिरों में वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं।

यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है, यह एक अतिक्रमण है, यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों एवं मन्दिरों में तो बिल्कुल भी नहीं।

न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तीत है। मद्रास उच्च न्यायालय की मुदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से 'हताश' हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में।

इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए। राजस्थान में गहलोत सरकार ने भी मन्दिरों में वीआईपी दर्शनों की परम्परा को समाप्त करने की घोषणा की थी कि मन्दिरों में बुजुर्ग ही एकमात्र वीआईपी होंगे।

इस तरह की सरकारी घोषणाएं भी समस्या का कारगर उपाय न होकर कोरा दिखावा होती रही है। अक्सर नेताओं एवं धनाढ्यों को विशेष दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसरों को आम लोगों के लिये बंद कर दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है, लोग वाश्तव में इससे दुखी होते हैं और कोसते हैं।

वीआईपी लोगों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती है, मन्दिर के मूल परिसर-गर्भ परिसर में दर्शन कराये जाते हैं, उनके वाहन मन्दिर के दरवाजे तक जाते हैं, उनके साथ पुलिस-व्यवस्था रहती है, जबकि आम श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर पैदल चलना होता है, भगवान के दर्शन दूर से कराये जाते हैं, उनके साथ धक्का-मुक्की की जाती है। लगता है मन्दिरों में दर्शन में सहभागिता को लेकर आम आदमी गुलामी की मानसिकता को ही जी रहा है।

इन स्थानों पर उसके स्वाभिमान, सम्मान एवं समानता को बेरहमी से कुचला जा रहा है। ये कैसा मंदिर और ये कैसा दर्शन जहाँ सरेआम आम दर्शनार्थी का अपमान हो रहा है। इसलिए जिस भी मंदिर में वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है उसके खिलाफ जनक्रांति हो।

आज हिन्दू मन्दिरों की भेदभाव पूर्ण दर्शन-व्यवस्था को समाप्त करके ही आम आदमी को उसका उचित सम्मान किया जा सकता है, उसकी निराशा एवं पीड़ा को समझा जा सकता है।

भाजपा सरकार मन्दिरों एवं धार्मिक-स्थलों से वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिये कोई ठोस कदम उठाये।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

साढ़े सात घंटे आईसीयू में रखा, फिर भी एक बोतल खून न चढ़ाया

बांदा की दुष्कर्म पीड़िता बच्ची की मौत का मामला

कानपुर, एजेंसी। दरिंदगी का शिकार बांदा की तीन साल की बच्ची को अगर वक्त से खून मिल जाता, तो शायद उसकी जान बच सकती थी। लेकिन बांदा के ट्रॉमा सेंटर और रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज के परिसर में खून की व्यवस्था रही है, फिर भी उसे खून नहीं चढ़ाया गया।

इसके अलावा मेडिकल कॉलेज में पीडियाट्रिक सर्जन होने के बाद भी बच्ची को साढ़े सात घंटे रखा गया। फिर पीडियाट्रिक सर्जन न होने के कारण बताकर उसे हैलट रेफर कर दिया गया। दरिंदे ने मासूम को अपनी हवस का शिकार बनाकर मौत के मुंह में झोंक दिया। हालांकि, उसकी जान बचाने के लिए डॉक्टरों में संजीदगी नजर नहीं आई। बच्ची को पहले बांदा के ट्रामा सेंटर में ले जाया गया। यहां स्त्री रोग, बालरोग विशेषज्ञ और फिजीशियन ने देखा। ड्रिप लगाकर सामान्य सा इलाज किया। उसके घायल जननांगों से खून बहता रहा, लेकिन खून चढ़ाने की जरूरत नहीं समझी। उसे रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। यहां उसे साढ़े सात घंटे आईसीयू में रखा तो जरूर लेकिन खून नहीं चढ़ाया। ड्रिप लगाकर एंटी बायोटिक आदि दवाएं दी गईं। खून न चढ़ाने के संबंध में वहां के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार कौशल ने कहा कि पीडियाट्रिक सर्जन न होने की वजह से हैलट रेफर किया।

खून न चढ़ाने के संबंध में तर्क दिया कि बच्ची को होश नहीं रहा। इसी से खून नहीं चढ़ाया। वहां पूर्व महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. वीएन त्रिपाठी का कहना है कि अगर जरूरत थी, तो बेहोशी में भी बच्ची को खून चढ़ाया जा सकता था।

बच्ची को चार जून की शाम छह बजे हैलट में भर्ती किया गया। मौके पर पहुंचे जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला पहुंचे और कहा कि बच्ची के ब्लड लॉस हुआ है। इसके बाद तुरंत उसे ब्लड खून चढ़ाया गया।

परिजनों ने सर्जरी के लिए नहीं दी सहमति कॉलेज के बालरोग विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र कुमार गौतम ने बताया कि बच्ची को एक यूनिट ब्लड दिया गया। इसके बाद पीडियाट्रिक सर्जन सर्जरी प्लान की। इसके लिए भी एक यूनिट खून रखा गया, लेकिन परिजनों ने सर्जरी के लिए कंसेंट नहीं दी थी।

ट्रिपिंग ने बिगाड़ी चालजगर्मी में लोग बेहाल, केस्को एमडी बोले- खपत बढ़ी, इसलिए बार-बार जा रही बिजली

कानपुर, एजेंसी। कानपुर शहर में बिजली संकट की सबसे बड़ी समस्या ट्रिपिंग है जिससे बार-बार बिजली आ-जा रही है। बिजली खपत बढ़ने से ऐसा है। 11 जून को शहर में बिजली की सबसे ज्यादा 783 मेगावाट की मांग रही जो इस गर्मी की सबसे अधिकतम है। यह जानकारी गुरुवार को मुख्यालय में केस्को एमडी सैमुअल पॉल ने दी। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में ज्यादा बिजली चोरी हो रही है, वहां ट्रिपिंग की समस्या ज्यादा है। पीक ऑवर्स में जिन सबस्टेशनों और फीडरों का लोड अधिक होता है, वहां रेड टीम के पहुंचने पर लोड कम हो जाता है। रात के वक्त कटिया लगने से लोड बढ़ने पर ट्रिपिंग बढ़ रही है। शहर में बार-बार की ट्रिपिंग ने बिजली की चाल बिगाड़ दी है। रात में कई घंटे बिजली जाने से लोगों की नींद पूरी नहीं हो पा रही है। एक दिन में लगभग 20 से 25 फॉल्ट हो रहे हैं। इसका कारण लोड बढ़ना बताया जा रहा है। वहीं, कर्मचारियों की कमी से फॉल्ट बनाने में देरी होती है। शहर में बिजली का लोड 763 मेगावाट तक पहुंच चुका है।

काशीवासियों को भीषण गर्मी से जल्द मिलेगी राहत

बिजली गिरने के साथ बारिश का यलो अलर्ट जारी

वाराणसी, एजेंसी। अब दीवारों और सड़कों के बाद बनारस की खुली हवा में भी आंच महसूस की जा रही है। बृहस्पतिवार को 15 से 18 घंटे तक पुरवाई में जलन जैसा एहसास हुआ। सूरज ढलने के बाद भी तापमान का मीटर नहीं थमा।

इसी के साथ इस साल जून में पहली बार बनारस का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। ये सामान्य तापमान से भी 4.2 डिग्री ऊपर ही रहा। वहीं रात के आठ बजे तक तापमान 38 से 39 डिग्री तक दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.5 डिग्री ज्यादा 31.1 डिग्री सेल्सियस तक आ गया।

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आगामी 24 घंटे तक मौसम में कोई बड़ा बदलाव न आकर लू जैसी परिस्थितियां बनी ही रहेंगी। बनारस में 14 जून से बारिश होने के आसार हैं। दो से तीन दिनों तक गरज-चमक के साथ बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि इसी के साथ लू का प्रभाव कुछ कम हो सकता है। बृहस्पतिवार को मौसम ऐसा रहा कि पूरे दिन शरीर से पसीना सूखा ही नहीं। चिरईगांव के बीडीओ की दोपहर में अचानक से तबीयत बिगड़ गई। उल्टी दस्त होने के चलते पीएचसी चिरईगांव में भर्ती किया गया। वहीं दशाश्वमेध घाट पर चक्कर खाकर गिरा एक व्यक्ति बेहोश हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दुर्गा मंदिर में लगा हाई प्रेशर मिस्टिंग सिस्टम: नगर निगम की ओर से बृहस्पतिवार को लू से बचाव के लिए दुर्गा मंदिर, दुर्गाकुंड में हाई प्रेशर मिस्टिंग सिस्टम लगाया गया। इसके चालू होने के बाद तापमान में पांच डिग्री गिरावट दर्ज की गई। इस तकनीक व्यवस्था से पानी को आरओ के माध्यम से शुद्ध किया जाता है। यह पानी ज्यादा दबाव से छोटे- छोटे नोजल के माध्यम से बाहर फेंका जाता है। इससे फव्वारे जैसा आभास होता है।

इधर बन रहा बिजली आपूर्ति का रिकॉर्ड, उधर गांवों में हो रही कटौती... लोकल फॉल्ट भी कर रहे परेशान

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में एक तरफ रिकॉर्ड बिजली आपूर्ति का दावा किया जा रहा है तो दूसरी तरफ ग्रामीण इलाके में रोस्टर से भी 30 से 40 मिनट कम बिजली दी जा रही है। लोकल फॉल्ट अलग से हैं। ऐसे में बिजली उपभोक्ता परेशान हैं। प्रदेश में बिजली की मांग 31486 मेगावाट पहुंच गई है। दावा है कि उपभोक्ताओं की मांग पूरी की जा रही है, जबकि हकीकत अलग है।

पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से तय किए गए रोस्टर के अनुसार भी बिजली नहीं मिल पा रही है। ग्रामीण इलाके में 18 घंटे का रोस्टर है, जबकि आपूर्ति 17 घंटे 26 मिनट हुई। इसी तरह नगर पंचायत में 21 घंटे 30 मिनट की जगह केवल 21 घंटे, बुंदेलखंड में 20 घंटे की जगह 19 घंटे 30 मिनट बिजली आपूर्ति की गई। लोकल फॉल्ट अलग से रहा। ऐसे में भीषण गर्मी में उपभोक्ता परेशान रहे।

विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि नियमों के तहत उत्तर प्रदेश के हर उपभोक्ता को 24 घंटे बिजली मिलनी चाहिए, लेकिन ऊर्जा विभाग ने रोस्टर प्रणाली लागू कर रखा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा मंत्री रिकॉर्ड आपूर्ति पर जश्न मना रहे हैं, लेकिन वह यह भी बताएं कि यह रिकॉर्ड आपूर्ति कितने घंटे की हुई? क्योंकि जैसे ही मांग का रिकॉर्ड बना, वैसे ही विभिन्न इलाके में ब्रेकडाउन होने लगा। फिर आपूर्ति का ग्राफ नीचे आ जाता है। ऐसे में चंद मिनट का ही रिकॉर्ड बनता है। विभागीय आंकड़े खुद इसकी गवाही दे रहे हैं।

पहाड़ों पर बारिश का असर: भीषण गर्मी के बीच छह दिन में 41 सेंटीमीटर बढ़ा गंगा का जलस्तर

वाराणसी, एजेंसी। पहाड़ों पर बारिश के चलते गंगा के जलस्तर में बढ़ाव शुरू हो गया है। छह दिनों में गंगा के जलस्तर में 41 सेंटीमीटर का बढ़ाव दर्ज किया गया है। पिछले 72 घंटों में जलस्तर में 24 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई। गंगा के जलस्तर में बढ़ाव से नाविक समाज में खुशी है तो वहीं तटीय इलाकों में रेत पर क्यारी बनाकर सब्जी और फल उगाने वाले किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार गंगा का जलस्तर बृहस्पतिवार को 58.64 मीटर दर्ज किया गया है। गंगा के जलस्तर में छह जून से बढ़ोतरी शुरू हुई थी। पांच जून को गंगा का जलस्तर 58.23 मीटर था और छह जून को एक सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई और जलस्तर 58.24 मीटर, सात जून को तीन सेंटीमीटर बढ़ोतरी के बाद जलस्तर 58.27 मीटर, आठ जून को आठ सेंटीमीटर की बढ़ोतरी के बाद जलस्तर 58.35 मीटर तक पहुंच गया।

नौ जून को गंगा के जलस्तर में पांच सेंटीमीटर, 10 जून को जलस्तर में 10 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई और जलस्तर 58.50 मीटर दर्ज किया गया। 11 जून को गंगा के जलस्तर में सात सेंटीमीटर बढ़ोतरी के बाद जलस्तर 58.57 मीटर और 12 जून को भी जलस्तर में सात सेंटीमीटर का बढ़ाव था। नाविक शंभू साहनी ने बताया कि गंगा का जलस्तर अचानक बढ़ने से स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। गंगा घाटों पर नहाने और अन्य धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने वाले लोगों से कहा गया है कि वे सतर्क रहें और पानी के बहाव के करीब न जाएं। तीर्थ पुरोहित दीपक पांडेय ने बताया कि हर साल गंगा दशहरा के बाद गंगा के जलस्तर में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होती है। पितृपक्ष के बाद जलस्तर में घटाव होने लगता है।

एसआरएन अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का हाल देखकर प्रमुख सचिव हुए नाराज, जांच में नहीं मिली कई दवाएं

प्रयागराज, एजेंसी। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय की स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर हाईकोर्ट की कड़ी फटकार के बाद बृहस्पतिवार को प्रमुख सचिव (चिकित्सा स्वास्थ्य) पार्थ सारथी सेन शर्मा पहली बार निरीक्षण करने पहुंचे। शाम सवा छह बजे के करीब एसआरएन पहुंचे प्रमुख सचिव ने सबसे पहले ट्रॉमा सेंटर का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पाया कि दिमाग में झटके आने पर मरीज को दिया जाने वाला इंजेक्शन मौजूद नहीं है। कारण पूछने पर बताया गया कि यह इंजेक्शन अमृत फार्मेसी में उपलब्ध है और यह काफी महंगा है।

इस पर प्रमुख सचिव ने इंजेक्शन को ट्रामा में रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव दवा वितरण केंद्र पहुंचे, जहां पर दवा काउंटर की संख्या बढ़ाने के लिए कहा। वहीं, पैथोलॉजी सेंटर के कोने पर गंदगी देखकर नाराजगी जताई और गली को बंद करने के लिए कहा। प्रमुख सचिव पुरानी बिल्डिंग स्थित ओटी वन भी पहुंचे, जहां पर उन्होंने हड्डी रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. डीसी श्रीवास्तव को निर्देशित किया कि अस्पताल में छह एनेस्थेटिक हैं, जिनका उपयोग हड्डी विभाग के साथ ट्रॉमा की एक बंद पड़ी ओटी को शुरू करने में भी किया जाए।

अल्ट्रासाउंड मशीन को सुचारु रूप से चलाने के लिए एक चिकित्साधिकारी के लिए भी निर्देश दिए। साथ ही अल्ट्रासाउंड मशीन संचालन के लिए चिकित्साधिकारियों को शॉर्ट टर्म कोर्स कराने की बात कही। प्रमुख सचिव पुरानी बिल्डिंग के वार्ड में पहुंचे, जहां पर उन्होंने मरीजों से स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। वहीं, पोस्टमार्टम की तरफ जाने वाली सड़क को जल्द से जल्द दुरुस्त कराने को कहा। निरीक्षण के दौरान उप प्रधानाचार्य डॉ. मोहित जैन, प्रमुख अधीक्षक डॉ. आरबी कमल, डॉ. नीलम सिंह, डॉ. संतोष सिंह, डॉ. उत्सव सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

हज मुकम्मल कर पहली उड़ान से वतन वापस पहुंचे 287 हाजी

नवगठित हज कमेटी के अध्यक्ष और सदस्यों ने की अगवानी

लखनऊ, एजेंसी। सऊदी अरब में हज के अरकान पूरे कर पहली उड़ान से 287 हाजी वतन वापस लौटे। हाजियों का चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर फूलों से इस्तकबाल किया गया। वतन वापसी की खुशी के साथ हाजी अपने परिजनों के गले लगे तो हर आंख नम हो गई। एयरपोर्ट के बाहर फूल मालाओं और गुलदस्तों के साथ परिजन हाजियों को गले लगा कर हज की मुबारकबाद देते रहे।

प्रदेश से इस बार कुल 13685 हज यात्रियों में राजधानी के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट से कुल 5522 हज यात्रियों को मदीना मुनव्वरा रवाना किया गया था। सऊदी अरब में हज मुकम्मल होने के बाद हाजियों की वापसी का सिलसिला बृहस्पतिवार से शुरू हो गया। चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर हाजियों की पहली उड़ान अपने तय समय से 20 मिनट पहले रात 12:05 बजे पहुंची।

औपचारिकताओं के बाद हाजियों ने बाहर आना शुरू किया तो एयरपोर्ट पर नवगठित राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी, सदस्य वली मोहम्मद, नदीमुल हसन, सैयद अली वारसी, हाफिज एजाज अहमद (शाहीन अंसारी), सैयद कल्बे हुसैन (कब्बन नवाब), मोहम्मद इफ्तेखार हुसैन, कामरान खान, जुनैद अहमद अंसारी, जावेद कमर खान, कमरुद्दीन (जुगनू), हज कमेटी के सचिव एसपी तिवारी, विशेष कार्याधिकारी जावेद खान, प्रशासनिक अधिकारी आरिफ रऊफ ने हाजियों को गुलाब का फूल देकर उनका गर्मजोशी से इस्तकबाल किया और हज मुकम्मल होने की मुबारकबाद दी। राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष दानिश आजाद अंसारी ने हाजियों से मिल कर उनका हालचाल पूछा और व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

रेत खाते में दर्ज जमीन पर लिया 46 लाख का मुआवजा, गंगा किनारे कटरी की 38 हेक्टेयर जमीन हड़पी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में गंगा किनारे कटरी शंकरपुर सराय की 38 हेक्टेयर जमीन को सरकारी अभिलेखों में हेरफेर कर हड़प लिया गया। वर्ष 2003 में जब गंगा बैराज की सड़क बनाने के लिए 12 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण हुआ तो सरकारी जमीन पर ही करीब 46 लाख का मुआवजा भी ले लिया। सहायक अभिलेख अधिकारी उन्नाव ने मामले की जांच की, तो पता चला कि कागजों में हेरफेर कर रेत खाते में दर्ज जमीन पर नाम चढ़वाकर यह कारनामा किया गया। सहायक अभिलेख अधिकारी कानपुर/उन्नाव प्रशांत कुमार नायक ने बताया कि कटरी शंकरपुर सराय की 38 हेक्टेयर जमीन की पैमाइश कराने का वाद वर्ष 2024 में एसडीएम कोर्ट में दाखिल हुआ था। जांच की गई तो पता चला कि यह जमीन मिन जुमला नंबर (जिसमें कई खातेदार होते) है। इसी वजह से जमीन का पहले बंटवारा करने के लिए एसडीएम ने अपनी कोर्ट से वाद खारिज कर दिया था। वादी ने हाईकोर्ट जाकर रिट दायर की।

खाता संख्या 1356 और 1359 में वादी का नाम ही नहीं: फिर मामले के निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद मामले की जांच उन्हें सौंपी गई। जांच में पता चला कि 2003 में गंगा बैराज का संपर्क मार्ग बनने के चलते 12 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया गया। बदले में सुषमा देवी और अभिनव को करीब 46 लाख रुपये जमीन का मुआवजा दिया गया। अब जब जांच हुई, तो पता चला संख्या 1356 और 1359 में वादी का नाम ही नहीं था। जमीन सरकारी भूमि के रूप में रेत के नाम पर दर्ज थी।

जांच करने के लिए एसआईटी को भी लिखा: सरकारी दस्तावेजों में फर्जी तरीके से बिना किसी वरासत और रजिस्ट्री के आशीष नारायण का नाम जमीन पर दर्ज किया गया। आशीष की मृत्यु होने के बाद जमीन उनकी पत्नी सुषमा देवी और बेटे अभिनव कुमार के नाम पर दर्ज हो गई। मामले की जांच पूरी होने के बाद सहायक अभिलेख अधिकारी ने सभी के नाम हटाकर जमीन रेत खाते में दर्ज की गई। मामले की सही तरह से जांच करने के लिए एसआईटी को भी लिखा गया है।

माफिया सुधीर सिंह ने कोर्ट में किया आत्मसमर्पण, भेजा गया जेल; व्यापारी पर किया था जानलेवा हमला

गोरखपुर, एजेंसी। माफिया सुधीर सिंह ने आर्म्स एक्ट मामले में लखनऊ न्यायालय में आत्मसमर्पण किया है। उसे जेल भेज दिया गया है। माफिया सुधीर सिंह खजनी क्षेत्र में व्यापारी पर जानलेवा हमले के मामले में आरोपी है। 27 मई की रात माफिया सुधीर सिंह ने बेलीपार के भौवापार निवासी अंकुर शाही पर एक दावत के जानलेवा हमला दौरान किया था। खजनी थाने में केस दर्ज पुलिस उसकी धरपकड़ में जुटी थी।

जानकारी के अनुसार, 27 मई की रात खजनी क्षेत्र में युवक पर जानलेवा हमले के बाद भागे फिर रहे सुधीर के न्यायालय में समर्पण करने की अटकलें तेज थी। पूर्व में वह कई बार चकमा देकर न्यायालय में समर्पण कर चुका है। गोरखपुर जिले के खजनी थाना क्षेत्र में 27 मई की रात को दावत में माफिया सुधीर ने बेलीपार के रहने वाले अपने पूर्व सहयोगी अंकुर शाही पर रॉड से जानलेवा हमला कर दिया था। इस मामले में नामजद होने के बाद से वह फरार था। पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम गोरखपुर-बस्ती मंडल के अलावा लखनऊ में छापा मार रही है। हालांकि, अभी तक गिरफ्तारी में सफलता हासिल नहीं हुई थी।

नमो घाट-राजघाट मार्ग हो सकता है वनवे

जाम से राहत के दिलाने के लिए ट्रैफिक पुलिस की नई रणनीति

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी जिले के भदऊचुंगी तिराहे से राजघाट पुल तक लगने वाले जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए यातायात पुलिस अब नई रणनीति पर काम कर रही है। नमो घाट-राजघाट मार्ग को वैकल्पिक या एकल दिशा वाले मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि भदऊचुंगी से लेकर राजघाट पुल तक के मार्ग पर लगने वाला भीषण जाम कम हो सके।

बीते कुछ दिनों से यातायात पुलिस इस मार्ग को खाली कराने का प्रयास कर रही है। सड़क किनारे खड़े वाहन और अस्थायी दुकानों को हटाने के लिए पुलिस और नगर निगम द्वारा चेतावनी दी जा रही है।

बृहस्पतिवार को यातायात पुलिस ने नमो घाट से राजघाट तक अभियान चलाया और लोगों को सड़क से वाहन हटाने की चेतावनी दी, लेकिन इसका खास असर नहीं दिखा। कई वाहन हटने के बजाय यथास्थान खड़े रहे।

स्थानीय लोगों ने कहा कि यदि इस मार्ग को एकल दिशा (वन-वे) में परिवर्तित कर दिया जाए तो राजघाट क्षेत्र में लगने वाले जाम से काफी हद तक निजात मिल सकती है। इसके लिए जरूरी है कि सड़क किनारे अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग पर सख्ती से कार्रवाई हो।

5वां केयर्न्स कप शतरंज : हम्पी और हरिका नें खेला ड्रॉ ,यूएसए की ऐलिस ली को एकल बढ़त

सेंट लुइस(एजेंसी)। यूएसए में चल रही दुनिया की सबसे मज़बूत महिला प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप के दूसरे राउंड के बाद यूएसए की युवा इंटरनेशनल मास्टर ऐलिस ली ने दोनों मुकाबले जीतकर बढ़त बना ली है । पहले राउंड में जहां पांचों बोर्ड पर जीत और हार के परिणाम आए थे दूसरे राउंड सिर्फ दो बाजियों में जीत और हार का फ़ैसला हुआ, जबकि बाकी तीन बाज़ियाँ बेनतीजा रहीं। इस राउंड की सबसे खास जीत दर्ज की ऐलिस ली ने उन्होने यूक्रेन की अनुभवी खिलाड़ी मारिया मुझिचुक को हराया और जॉर्जिया की नाना डज़गनिद्ज़े ने कज़ाकिस्तान की बीबिसारा असाउबायेवा को पराजित किया।

पहले राउंड में जीत के साथ शुरुआत करने वाली भारत की कोनेरू हम्पी ने चीन की तान झोंगयी को काले मोहरों से ड्रॉ पर रोका। खेल की शुरुआत इंग्लिश ओपनिंग से हुई और मिडलगेम तक पहुँचते-पहुँचते हम्पी ने झोंगयी के राजा पर प्यादों से हमला करना शुरू कर दिया। इसके जवाब में झोंगयी ने हम्पी के वजीर के हिस्से पर आक्रमण किया। दोनों खिलाड़ियों ने शानदार बचाव किया और एक-दूसरे पर हावी नहीं होने दिया। 24वी चाल पर वज़ीर और 28वी पर हाथियों की अदला-बदली के बाद खेल विपरीत रंग के ऊंटों के एंडगेम में बदल गया, और कुछ चालों के बाद दोनों खिलाड़ियों ने चाले दोहरा कर खेल को ड्रॉ के रूप में समाप्त किया। भारत की कोनेरू हम्पी, जो इस प्रतियोगिता को 2020 और 2024 में पहले ही जीत चुकी हैं

वहीं हरिका द्रोणावल्ली ने जॉर्जिया की नीनो बत्सियाशविली के खिलाफ काले मोहरों से क्वीन गैम्बिट डिक्लाइन ओपनिंग खेलने का निर्णय लिया। 24वीं चाल पर नीनो ने हरिका को एक प्यादे का लालच दिया और हरिका ने खुशी से वह प्यादा ले लिया और कुछ चालों बाद वापस भी कर दिया। इस खेल में 46वीं चाल पर, हम्पी के खेल की तरह ही, हाथियों की अदला-बदली के बाद खेल विपरीत रंग के ऊंटों के एंडगेम में पहुँच गया और कुछ ही चालों बाद दोनों खिलाड़ियों ने ड्रॉ स्वीकार कर लिया।

हम्पी और हरिका फिलहाल एक जीत और एक ड्रॉ के साथ 1.5 अंक बनाकर सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रही है ।

हरभजन सिंह ने भारत की नम्बर 3 की समस्या सुलझाई, इंग्लैंड के खिलाफ इसे मौका देने की बात की

मुंबई (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की आगामी टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने नए नंबर 3 बल्लेबाज के तौर पर साई सुदर्शन का समर्थन किया है। हेडिंग्ले में पहले टेस्ट से पूर्व हरभजन ने कहा कि सुदर्शन इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति होंगे। विदर्भ क्रिकेट लीग के दौरान बोलते हुए हरभजन ने कहा कि सुदर्शन हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में भी शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। हालांकि यह देखना बाकी है कि सुदर्शन को पहले टेस्ट में मौका मिलेगा या नहीं। हरभजन ने कहा, मेरे हिसाब से साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर खेलना चाहिए। वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, बेहतरीन फॉर्म में हैं और हाल ही में उन्होंने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी तकनीक अच्छी है और मेरा मानना है कि वह इस स्थान के लिए सही विकल्प हो सकते हैं। श्रेयस अय्यर को टेस्ट दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। इस पर पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने उन्हें टीम में शामिल किए जाने की बात कही थी। अब हरभजन ने भी अय्यर का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, श्रेयस अय्यर बहुत बढ़िया खिलाड़ी हैं। उन्होंने वनडे में खुद को साबित किया है, विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए हां, उन्हें टीम में होना चाहिए था। लेकिन शायद चयनकर्ता उन्हें अभी लाल गेंद के खिलाड़ी के रूप में नहीं देखते हैं। अगर मैं चयन समिति का हिस्सा होता, तो मैं उनके नाम पर विचार करता। लेकिन यह अंत नहीं है, उनका सफर लंबा है, और वह भविष्य में वनडे कप्तान भी बन सकते हैं। एक दौरा मिस करने का मतलब यह नहीं है कि उनका करियर खत्म हो गया है।

हैंडबाल के इंडिया कैंप के लिए हिमाचल की आठ बेटियों का चयन, चीन में होने वाली है प्रतियोगिता

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन में होने वाली 11वीं एशियन अंडर-18 यूथ वुमन हैंडबाल प्रतियोगिता के लिए इंडिया कैंप में चुनी गई 28 खिलाड़ियों में हिमाचल से आठ महिलाओं को शामिल किया गया है। कैंप के बाद 18 महिला खिलाड़ियों का चयन होना है। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए टीम 14 जुलाई को रवाना होगी।

गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय कैंप 13 जुलाई तक चलेगा। कैंप में देशभर की 70 महिला खिलाड़ियों में से 28 को चुना गया है। यहीं से टीम इंडिया को चुना जाएगा। हैंडबाल कोच स्नेहलता ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों में गोलकीपर नेहा चौहान और काजल, लेफ्ट बैक शिवानी देवी, लेफ्ट विंग रिद्धिमा, राइट बैक मुस्कान, सेंटर बैक गरिमा, पीवोट कनिष्का और राइट विंग शिक्षा को शामिल किया गया है। शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी मोरसिंघी हैंडबाल नर्सरी से तैयार हुई हैं।

स्नेहलता ने बताया कि कैंप के बाद चयनित 18 सदस्यीय टीम 14 जुलाई को चीन रवाना होगी। जहां 11वीं एशियन अंडर-18 यूथ वुमन हैंडबाल प्रतियोगिता होगी। इस दौरान टीम के साथ मुख्य कोच सचिन और कोच विनॉय, नवीन पुनिया और मनीषा राठौर भी रहेंगे। स्नेहलता ने कहा कि प्रदेश से एक साथ आठ खिलाड़ियों का कैंप के लिए चुना जाना गर्व का विषय है। उम्मीद है कि कैंप के बाद हिमाचल से गई खिलाड़ी टीम इंडिया में भी स्थान बनाएंगी और प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन कर देश का नाम चमकाएंगी।

मेजर लीग क्रिकेट में मचाया धमाल एलेन ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज फिन एलेन ने अमेरिका की टी20 लीग मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में शानदार पारी खेल कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के लिए वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने 51 गेंदों पर 151 रन बनाए। इस दौरान एलेन ने 296 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। वॉशिंगटन के गेंदबाजों के लिए एलेन की पारी किसी बुरे सपने की तरह रही। सैन फ्रांसिस्को ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 269 रन बनाए। जवाब में वॉशिंगटन की टीम 13.1 ओवर में 146 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह यूनिकॉर्न्स ने यह मुकाबला 123 रनों से अपने नाम किया।

एलेन ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

अपनी इस तूफानी पारी के दम पर एलेन ने कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। वह टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 150 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। एलेन 49 गेंदों पर इस उपलब्धि पर पहुंचे। उन्होंने इस मामले में डेवाल्ड ब्रेविस को पीछे छोड़ा जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग में 52 गेंदों पर 150 रन बनाए थे। इतना ही नहीं, एलेन ने 34 गेंदों पर शतक पूरा किया जो न्यूजीलैंड के किसी बल्लेबाज का टी20 में सबसे तेज सैकड़ा है। यह फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट में किसी बल्लेबाज का दूसरा सबसे तेजी से लगाया गया शतक है। उनसे आगे इस मामले में क्रिस गेल हैं जिन्होंने आईपीएल 2013 में 30 गेंदों पर शतक लगाया था।

सिर्फ छक्के लगा बनाए 100 से अधिक रन

एलेन ने टी20 की एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने इस मैच में 19 छक्के लगाए और इस मामले में क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान को पीछे छोड़ दिया। गेल और साहिल ने टी20 के एक पारी में 18 छक्के लगाए हैं। एलेन ने 134 रन सिर्फ बाउंड्री से जुटाए जिसमें से 114 रन तो छक्के के द्वारा आए। सिर्फ तीन खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने बाउंड्री के जरिये टी20 में एलेन से ज्यादा रन बनाए हैं। एलेन इसके साथ ही एमएलसी टूर्नामेंट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में निकोलस पूरन को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2023 में नाबाद 137 रन बनाए थे।

आईपीएल नीलामी में रहे थे अनसोल्ड

दिलचस्प बात है कि एलेन को आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला था। एलेन नीलामी में दो करोड़ रुपये के आधार मूल्य के साथ आए थे, लेकिन उन्हें लेने में किसी टीम ने दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। एलेन भले ही आईपीएल 2025 में नहीं खेल सके, लेकिन उन्होंने एमएलसी में अपने दमदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

मेहदी हसन मिराज को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बांग्लादेश वनडे टीम के कप्तान बने

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज को वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। 27 वर्षीय मिराज अगले 12 महीनों तक टीम की कमान संभालेंगे। मिराज ने नजमुल हुसैन शांतो की जगह ली है और वह अगले महीने श्रीलंका में बांग्लादेश की आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना कार्यकाल शुरू करेंगे। कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद मेहदी हसन मिराज ने अपनी नियुक्ति पर खुशी जताई। मिराज ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है। हमारे पास निडर क्रिकेट खेलने का कौशल और मानसिकता है। मैं चाहता हूं कि हम आत्मविश्वास से भरे रहें, प्रतिबद्ध रहें और देश के लिए दिल से खेलते रहें। ऑफ-स्पिनिंग ऑलराउंडर ने इससे पहले शंटो की अनुपस्थिति में चार वनडे मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की है। 105 वनडे मैचों में 1617 रन और 110 विकेट के साथ, मिराज वर्तमान में आईसीसी रैंकिंग में वनडे ऑलराउंडरों में चौथे स्थान पर हैं। वह मोहम्मद रफीक, मशरफे मुर्तजा और शाकिब अल हसन के साथ बांग्लादेशी क्रिकेटरों के एक विशेष समूह का भी हिस्सा हैं, जिन्होंने इस प्रारूप में 1000 रन और 100 विकेट पूरे किए हैं। इससे पहले, ऑलराउंडर को अगले महीने श्रीलंका में होने वाले अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के अपने पहले असाइनमेंट के लिए बांग्लादेश की टेस्ट टीम में उप-कप्तान के रूप में नामित किया गया था। बीसीबी क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष नजमुल अबेदीन ने उन्हें पुरस्कृत करने के निर्णय के पीछे ऑलराउंडर की निरंतरता की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'मिराज ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में जुझारू भावना और संक्रामक ऊर्जा लेकर आए हैं। उनके प्रदर्शन, नेतृत्व के गुण और समग्र परिपक्वता उन्हें हमारी वनडे टीम का मार्गदर्शन करने के लिए एक उपयुक्त विकल्प बनाती है। अबेदीन ने कहा, 'हम शांतो द्वारा अपनी कप्तानी के दौरान दिखाई गई सकारात्मकता और चरित्र के लिए आभारी हैं। ह हमारे नेतृत्व समूह का एक अभिन्न अंग और बल्लेबाजी इकाई में एक प्रमुख व्यक्ति बने हुए हैं।

नीदरलैंड ने हासिल किया वनडे इतिहास का तीसरा बड़ा रन चेज, ओ डोड ने खेली शानदार पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सलामी बल्लेबाज मैक्स ओ डोड की नाबाद 158 रनों की पारी के दम पर नीदरलैंड्स ने आईसीसी विश्व कप लीग टू 2023-27 के मुकाबले में स्कॉटलैंड को चार विकेट से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉर्ज मुंसे के 191 रनों की पारी की मदद से 50 ओवर में छह विकेट पर 369 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड ने चार गेंद शेष रहते हुए छह विकेट पर 374 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

बड़ी टीमों को पीछे छोड़ा

यह वनडे इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा रन चेज है। वनडे में सबसे बड़ा रन चेज करने का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के नाम है जिसने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ विकेट पर 438 रन बनाए थे। इस सूची में दूसरे स्थान पर भी दक्षिण अफ्रीका ही है। अब इस लिस्ट में नीदरलैंड का नाम भी जुड़ गया है और उसने भारत और इंग्लैंड जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। स्कॉटलैंड ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। स्कॉटलैंड के लिए मुंसे ने 150 गेंदों पर 14 चौकों और 11 छक्कों की मदद से 191 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान मैथ्यू क्रॉस ने 59 रन बनाए। स्कॉटलैंड ने इस तरह नीदरलैंड्स के सामने बड़ा लक्ष्य रखा। जवाब में नीदरलैंड के लिए ओ डोड 130 गेंदों पर 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 158 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। यह नीदरलैंड की इस प्रारूप में सबसे बड़ी जीत है। ओ डोड के अलावा तेजा निदामानुरु ने 51 और नोह क्रोएस 50 ने रनों का योगदान दिया। नीदरलैंड और स्कॉटलैंड ने मिलाकर इस मैच में कुल 743 रन बनाए।

पोलैंड फुटबॉल टीम के कोच मिशल प्रोबिएरज ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। पोलैंड की राष्ट्रीय फुटबाल टीम के कोच मिशल प्रोबिएरज ने स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवेंडोवस्की के साथ विवाद के कुछ दिनों बाद मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। पोलैंड फुटबाल संघ द्वारा जारी बयान में प्रोबिएरज ने कहा, मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय टीम के हित में सबसे अच्छा निर्णय मुख्य कोच के पद से मेरा इस्तीफा है।

प्रोबिएरज ने इस सप्ताह की शुरुआत में फिनलैंड के खिलाफ विश्व कप क्वालिफायर की पूर्व संध्या पर बार्सिलोना के स्ट्राइकर लेवेंडोवस्की को टीम के कप्तान के पद से हटा दिया और उनकी जगह इंटर मिलान के मिडफील्डर पिओटर जिलिंस्की को नया कप्तान नियुक्त किया था। लेवेंडोवस्की को यह फैसला नागवार गुजरा और उन्होंने घोषणा की कि जब तक प्रोबिएरज मुख्य कोच बने रहेंगे

मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने टी20 मुंबई लीग जीती

मुंबई (एजेंसी)। सिद्धेश लाड की अगुआई वाली मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने यहां प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए ग्रैंड फाइनल में श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली सोबो मुंबई फाल्कंस को 5 विकेट से हराकर टी20 मुंबई लीग 2025 का खिताब जीत लिया। इसी के साथ ही अय्यर का एक और टी20 लीग का खिताब जीतने का सपना टूट गया। इससे पहले अय्यर की कप्तानी में 11 साल बाद फाइनल में पहुंचने वाली आईपीएल टीम पंजाब किंग्स को खिताबी मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

भारत की पहली विश्व कप विजेता टीम कपिल देव और दिलीप वेंगसरकर तथा 2024 टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा की मौजूदगी वाले खचाखच भरे वानखेड़े स्टेडियम में सोबो मुंबई फाल्कंस ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए मयूरेश टंडेल (नाबाद 50) के धैर्यपूर्ण अर्धशतक तथा हर्ष अघव के नाबाद 45 रनों की बदौलत 157/4 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। जवाब में चिन्मय सुतार (53) ने तेज अर्धशतक के साथ एमएससी मराठा रॉयल्स की जीत की नींव रखी जिसमें साहिल जाधव (22), सचिन यादव (19) और विस्फोटक अवैस खान (38) का बहुमूल्य योगदान रहा।

कप्तान सिद्धेश लाड (15) और साहिल ने 32 रनों की तेज साझेदारी करके रॉयल्स को स्थिर शुरुआत दी। इसके बाद चिन्मय ने दो महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं जिसमें सचिन यादव के साथ 41 रनों की साझेदारी और उसके बाद अवैस खान के साथ 63 रनों की साझेदारी शामिल थी। इससे रॉयल्स ने लक्ष्य का पीछा मजबूती से खेल को अपने नियंत्रण में कर लिया। हालांकि, 10 गेंदों पर केवल आठ रनों की आवश्यकता के साथ, बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिक मिश्रा ने नाटकीय रूप से अंतिम ओवर में अवैस और चिन्मय दोनों को आउट करके फाल्कन्स को मुकाबले में वापस ला दिया।

अंतिम ओवर में सात रन की जरूरत थी। ऐसे समय में रोहन राजे ने अपना धैर्य बनाए रखते पहली गेंद पर चौका लगाया और चार गेंद शेष रहते जीत सुनिश्चित की जिससे रॉयल्स को तनावपूर्ण लेकिन अच्छी जीत मिली। इससे पहले पहले बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर आए फाल्कंस शुरुआती लय पाने में विफल रहे। दोनों सलामी बल्लेबाजों अंगकृश रघुवंशी (7) और ईशान मूलचंदानी (20) सिर्फ 33 रन पर विकेट गंवा बैठे। कप्तान श्रेयस अय्यर (12) और अमोघ भटकल (16) भी अपनी शुरुआत का फायदा उठाए बिना आउट हो गए।